संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -12 रविवार ,12 नवम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

शुभ दीपावली

दैनिक अखबार घटती-घटना के सुधि पाठकों,विज्ञापनदाताओं,समस्त शुभचिंतको एवं जिले व प्रदेश तथा देशवासियों को दीपों का त्यौहार दीपावली की घटती-घटना परिवार की ओर से अशेष शुभकामनायें एवं हार्दिक बधाई...

मंगल कामनाओं के साथ ....

संपादक

अवकाश सूचना

दीपावली के अवसर पर दैनिक घटती-घटना कार्यालय में 12 नवम्बर 2023 दिन रविवार को अवकाश रहेगा।

अतः अगला अंक मंगलवार,14 नवम्बर 2023 को प्रकाशित होगा।

व्यवस्थापक

ईडी ने अमित कत्याल को किया गिरफ्तार

कौन है अमित कात्याल ? जिसकी गिरफ्तारी के बाद तेजस्वी यादव की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

नई दिल्ली,11 नवंबर2023 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में एके इंफोसिस्टम्स के प्रमोटर अमित कात्याल को शनिवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। मामले के सिलसिले में शुक्रवार रात पूछताछ के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया।

दक्षिण दिल्ली की पॉश न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में कात्याल के परिसर को एके इंफोसिस्टम्स के कार्यालय के रूप में घोषित किया गया था, लेकिन राजद नेता तेजस्वी यादव द्वारा आवासीय परिसर के रूप में इसका उपयोग किया जा रहा है।

ईडी ने इस साल 31 जुलाई को रेलवे में नौकरी के बदले भूमि के मामले में पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत राजद नेता राबड़ी देवी, मीसा भारती (लालू यादव की बेटी), विनीत यादव (लालू की बेटी हेमा यादव के पति), शिव कुमार यादव (हेमा यादव के ससुर) की 6.02 करोड़ रुपये की छह अचल संपत्तियों को कुर्क किया था। एबी एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और ए के इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, दोनों कंपनियां लालू प्रसाद यादव के परिवार के सदस्यों के स्वामित्व और नियंत्रण में हैं।

कुर्क की गई संपत्तियों में डी-1088, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली स्थित आवासीय परिसर शामिल है, जिसका स्वामित्व एबी एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है। महुआबाग (दानापुर), पटना में स्थित दो भूमि पार्सल, जिनमें से एक-एक का स्वामित्व राबड़ी देवी और एके इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है, को भी कुर्क किया गया है।

दिल्ली के जिस मकान में रहते तेजस्वी,उसी में आरोपी कात्याल की कंपनी का पंजीकृत कार्यालय

इस साल के मार्च महीने में जब जमीन के बदले नौकरी घोटाला में अमित कात्याल का नाम आया, उससे पहले तक राज्य के लोग लालू परिवार से इस व्यक्ति के संबंधों के बारे में कुछ नहीं जानते थे।

अमित कात्याल घोटाले का बड़ा राजदार

लेकिन, सीबीआइ और ईडी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी, यह पता चला कि अमित कात्याल इस परिवार का करीबी ही नहीं, इस घोटाले का बड़ा राजदार भी है। मार्च में ईडी ने कहा था कि उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव नई दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कालोनी में रहते हैं, उसी मकान के परिसर में मेसर्स एबी एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड का अधिकृत कार्यालय है।

जांच में हुआ यह खुलासा

ये दोनों कंपनियां कात्याल की ही हैं। इसके बाद जांच आगे बढ़ी तो कई और राज खुले। जांच के दौरान पता चला कि जमीन के बदले नौकरी घोटाले का एक हिस्सा अमित कात्याल की कंपनी में भी लगा है।

नौकरी पाने वाले कुछ लोगों ने कात्याल की कंपनी के नाम जमीन रजिस्ट्री की थी। बाद में ऐसी भी जमीन इस कंपनी के नाम की गई, जिसे पहले लालू प्रसाद के स्वजन के नाम रजिस्ट्री की गई थी। माना यह जा रहा है कि कात्याल से पूछताछ में ईडी को ऐसे सबूत मिलेंगे, जिससे इस घोटाले में तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद और उनके स्वजन की संलिसता साबित हो सकती है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित लैंड फॉर जॉब मामले में अमित कात्याल नाम के एक बिजनेसमैन को गिरफ्तार किया है। बिजनेसमैन अमित कात्याल को लालू यादव और तेजस्वी यादव का करीबी बताया जा रहा है।

एजेंसी ने दावा किया है कि पूछताछ के लिए कात्याल को समन जारी किया था, लेकिन वो दो महीने पूछताछ से बच रहे थे। जिसके बाद ईडी ने अब अमित कात्याल को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, अमित कात्याल एके इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व निदेशक हैं। एके इंफोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड लैंड फॉर जॉब मामले में कथित ÷लाभार्थी कंपनी÷ है। इसका रजिस्टर्ड ऑफिस दक्षिण दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित एक आवासीय भवन है। जिसे फिलहाल तेजस्वी यादव के द्वारा रिहायशी तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमित कात्याल एक बिजनेसमैन हैं। उनका लालू परिवार से करीबी संबंध है। वह दिल्ली की एके इंफोसिस्टम कंपनी के डायरेक्टर भी रह चुके हैं। इस कंपनी से लिंक जुड़ने के बाद ही तेजस्वी यादव का नाम इस कथित घोटाले में आया था। अमित कात्याल वही कारोबारी है। जिसने राबड़ी देवी की सरकार में पटना बिहटा में बीयर की फैक्ट्री लगाई थी। बाद में इसी अमित कात्याल ने अपने नाम पर एके इन्फोसिस्टम कंपनी नामक कंपनी बनाई। ईडी का दावा है कि, इस कंपनी के नाम पर अकूत संपत्ति अर्जित की गई । जिसके बाद लालू परिवार इस कंपनी का मालिक हो गया। कात्याल की करोड़ों की संपत्ति तेजस्वी के नाम कर दी गई।

मौजूदा समय में एके इंफोसिस्टम नाम की कंपनी के सारे शेयर राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के पास हैं। ये कंपनी सिर्फ जमीन में डील करती है। एके इन्फोसिस्टम के पास 221 डिसमिल के 21 भूखंड हैं। आरोप है कि रेलवे में नौकरी देने के नाम लालू प्रसाद यादव ने कई ऐसी जमीन ली थीं। जिसकी रजिस्ट्री एके इंफोसिस्टम नाम की कंपनी के नाम कराई गई थी।

सीबीआई के अनुसार, नियुक्ति के लिए कोई विज्ञापन या सार्वजनिक सूचना जारी नहीं की गई थी। पटना के कुछ निवासियों को मुंबई, जबलपुर, कोलकाता, जयपुर और हाजीपुर में विभिन्न जोनल रेलवे में नौकरियां दी गई थीं। बदले में उम्मीदवारों ने सीधे या अपने परिवार के सदस्यों के माध्यम से लालू के परिवार के सदस्यों को कथित तौर पर अत्यधिक रियायती दरों पर जमीन बेचीं। जिनकी कीमतें बाजार रेट के मुकाबले काफी कम थी।

दीपोत्सव पर अयोध्या इस बार रचेगा इतिहास

» 24 लाख दीयों से जगमग होगी राम नगरी,51 घाटों पर दीपोत्सव से बनेगा वर्ल्ड रिकॉर्ड

अयोध्या,11 नवंबर2023 (ए)। अयोध्या में दीपोत्सव पर इतिहास रचने की तैयारी है। दीपोत्सव को देखते हुए रामजन्मभूमि परिसर को सजाने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में दीपोत्सव को भव्य बनाने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

इसकी शुरुआत श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने भगवान गणेश के के रेखाचित्र में रंग भर कर की। उन्होंने कूची से पेंटिंग की। परिसर को भव्य व दिव्य रूप से सजाया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी अवध विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी आशीष कुमार मिश्र को सौंपी गई। रामनगरी में सात देशों की रामलीला का भी आयोजन हो रहा है। पिछले सालों की तुलना में इस बार भी योगी सरकार नया रिकार्ड बनाने की तैयारी में है।

फाईल:फोटो

पर्यटन विभाग के मुताबिक, दीपोत्सव पर 14 लाख से ज्यादा दीये राम की पैड़ी में जलाए जाएंगे जबकि अयोध्या के प्रमुख 21 मंदिरों में 4.50 लाख दीये जलाए जाएंगे। ये दीये गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज नहीं किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राम जन्म भूमि पर 51 हजार, हनुमान गढ़ी पर 21 हजार दीये जलाए जाएंगे।इसी तरह कनक भवन, गुप्तार घाट, दशरथ समाधि, राम जानकी मंदिर साहबगंज, देवकाली मंदिर, भरत कुंड (नंदी ग्राम) समेत प्रमुख मंदिरों में 21 हजार दीये जलाए जाएंगे। वहीं पूरे अयोध्या को रोशन करने के लिए सामाजिक संगठनों को भी दीये वितरित किए जाएंगे। उप निदेशक ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी राम लीला होगी, जिसमें कई देशों के कलाकार भाग लेंगे। इसके साथ ही आतिशबाजी और लेजर शो भी होगा।

अयोध्या के डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने दिवाली पर 24 लाख दीप जलाकर अयोध्या के घाटों को रोशन करने की तैयारी शुरू कर दी है, विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने कहा कि 'अयोध्या दीपोत्सव' को ऐतिहासिक बनाने के लिए राम की पैड़ी और चौधरी दीप जलाए जाएंगे चरण सिंह के 51 घाटों पर जलाई गई। वहीं, उत्तर प्रदेश सरकार ने 24 लाख दीपक जलाकर विश्व रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा है।

डिजिटल विज्ञापन नीति को मिली मंजूरी

» इन प्लेटफार्मों पर होगी लागू

नई दिल्ली,11 नवंबर2023 (ए)। केंद्र सरकार ने डिजिटल विज्ञापन नीति को मंजूरी दे दी। यह वेबसाइटों, ओटीटी और पॉडकास्ट जैसे अन्य डिजिटल प्लेटफार्मों पर लागू होगी। यह नीति केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और नीतियों के प्रचार-प्रसार से जागरुकता फैलाने के केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) के मिशन में महत्वपूर्ण साबित होगी।

नीति के माध्यम से सीबीसी को ओटीटी और वीडियो ऑन डिमांड जैसे प्लेटफार्म के लिए एजेंसियों और संस्थाओं का पैनल बनाने का अधिकार मिलेगा। सीबीसी इन प्लेटफार्मों पर विज्ञापन दे सकता है। नीति में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के साथ लागत के लिए प्रतिस्पर्धी बोली का प्रविधान है। इस प्रक्रिया के माध्यम से दरें तीन साल तक वैध रहेंगी और सभी पात्र एजेंसियों पर लागू होंगी। सीबीसी ने वेबसाइट और मोबाइल एप को चार श्रेणी में बांटा है।

क्या हैं नए नियम ?

दो करोड़ से अधिक यूजर्स वाले साइट और ऐप ए+ श्रेणी में होंगे। एक करोड़ से दो करोड़ यूजर्स वाले ए श्रेणी में, 50 लाख से एक करोड़ वाले बी और 25 हजार से 50 लाख वाले सी श्रेणी में होंगे। पॉडकास्ट के लिए पांच लाख यूनिक यूजर्स की जरूरत होगी।

सीबीसी, विज्ञापन के बदले वेबसाइट और ऐप को पैसे भी देगा। ओटीटी प्लेटफार्मों को दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है ङ्क ए श्रेणी में 25 लाख से अधिक यूजर्स और बी श्रेणी में 50 हजार से 25 लाख यूजर्स वाले ओटीटी प्लेटफार्म होंगे।

क्रिप्टोकरेंसी के कारोबार के लिए दिशा-निर्देश तय करने संबंधी याचिका पर सुनवाई से इंकार

नयी दिल्ली,11 नवंबर2023 (ए)। क्रिप्टोकरेंसी के कारोबार के नियमन के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने को लेकर केंद्र और अन्य को निर्देश देने का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई करने से उच्चतम न्यायालय ने इनकार कर दिया है। क्रिप्टोकरेंसी ऐसी डिजिटल या आभासी मुद्राएं हैं, जो केंद्रीय बैंक से स्वतंत्र रूप से संचालित होती हैं।

याचिकाकर्ता का वास्तविक उद्देश्य कुछ और प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि याचिका में जिस राहत का अनुरोध किया गया है, उसकी प्रकृति विधायी अधिक है। पीठ ने इस बात पर गौर किया कि उक्त याचिका संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत आती है, लेकिन यह स्पष्ट है कि इसका ''वास्तविक उद्देश्य याचिकाकर्ता के खिलाफ लंबित

कार्यवाही में जमानत लेना है।''

पीठ ने आदेश में कहा, ''हम इस प्रकार की कार्यवाही का समर्थन करने में सक्षम नहीं हैं। याचिकाकर्ता नियमित जमानत के लिए उचित अदालत में जाने के लिए स्वतंत्र होगा। जहां तक मुख्य राहतों का सवाल है, तो ये विधायी निर्देश की प्रकृति की हैं, जिन्हें अदालत संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत जारी नहीं कर सकती।''

अनुच्छेद 32 संवैधानिक उपायों के अधिकार से संबंधित है और 32 (1) नागरिकों को अधिकारों के क्रियान्वयन के लिए शीर्ष अदालत में जाने का अधिकार देता है।

पीठ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के व्यक्ति द्वारा दायर याचिका में डिजिटल संपत्ति/क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े मामलों में मुकदमा चलाने के निर्देश देने संबंधी अनुरोध भी शामिल है। उसने कहा, ''हम याचिका का निपटारा करते हैं और याचिकाकर्ता को कानून के अनुसार अन्य उपाय अपनाने की छूट देते हैं।''

तेलंगाना में पटाखा दुकान में भीषण लगी आग

हैदराबाद ,11 नवंबर2023 (ए)। तेलंगाना में रंगारेड्डी जिले के राजेंद्रनगर के सनसिटी इलाके में शनिवार सुबह एक पटाखे की दुकान में भीषण आग लग गयी।पुलिस सूत्रों के मुताबिक आग एक अस्थायी पटाखे की दुकान में लगी और तेजी से बाजू में फूड

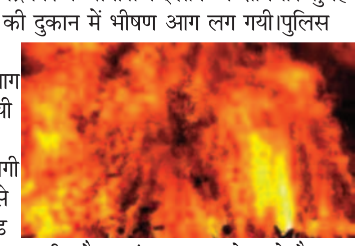

कोर्ट तक फैल गयी और वहां खाना पकाने वाले गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया , जिससे तीन और दुकानें भी आग की चपेट में आ गयी।

घटना की सूचना मिलने पर दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया। पुलिस ने संदेह जताया है कि पटाखा दुकान में आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट हो सकता है। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

बीमार पत्नी से मिलने तिहाड़ से अपने घर पहुंचे मनीष सिसोदिया

कोर्ट ने दी है 6 घंटे की मोहलत

नई दिल्ली,11 नवंबर2023 (ए)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया अदालत की अनुमति के बाद अपनी बीमार पत्नी से मिलने तिहाड़ जेल से घर पहुंचे। एक दिन पहले ही दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शनिवार सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक घर पर अपनी बीमार पत्नी से मिलने की अनुमति दी थी।

हालांकि मनीष सिसोदिया ने राउज एवेन्यू कोर्ट से अपनी बीमार पत्नी से मिलने के लिए 5 दिनों की इजाजत मांगी

थी, लेकिन कोर्ट ने उनकी मांग ठुकरा दी थी। राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान ृक्रनेता सिसोदिया की तरफ से पेश वकील ने कहा कि अगर 5 दिन संभव नहीं है तो 2 दिन की इजाज़त दे दीजिए। उन्होंने हाईकोर्ट के फैसले का भी हवाला दिया और कहा कि हाईकोर्ट ने भी पहले इस तरह से पत्नी से मिलने की इजाजत दी थी, लेकिन कोर्ट इस दलील से सहमत नहीं हुआ। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने मनीष सिसोदिया की याचिका का तीखा विरोध किया।

जज साहब,मैं मरा नहीं जिंदा हूं...मेरा मर्डर नहीं हुआ

मासूम ने जब सुप्रीम कोर्ट में दी गवाही

पीलीभीत,11नवंबर2023 (ए)। सुप्रीम कोर्ट से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां पीलीभीत का रहने वाला एक 11 वर्षीय लड़का अपने ही मर्डर केस की सुनवाई के दौरान जिंदा होने की गवाही देने पहुंचा। जिसने भी ये सुना वह दंग रहे गया। लड़के सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ के सामने पेश हुआ और न्यायाधीशों को बताया कि उसकी हत्या के मामले की सुनवाई हो रही है। लड़के ने दावा किया कि उसके पिता ने उसके नाना और मामा को उसकी हत्या के मामले में झूठा फंसाया था। कोर्ट ने केस के खिलाफ आरोपियों की दाखिल याचिका को स्वीकार कर लिया है। इस मामले में जनवरी से सुनवाई होगी।

याचिका स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ÷अगले आदेश तक याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाएगा। अदालत ने यूपी सरकार, पीलीभीत के पुलिस अधीक्षक और न्यूरिया पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस अधिकारी को भी नोटिस जारी किया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इस केस से

जुड़ी घटनाओं का सिलसिलेवार ढंग से खुलासा करते उनके वकील कुलदीप जौहरी ने बताया कि बच्चे चा को वे यों यह साबित करने के लिए अदालत में जाना पड़ा कि वह मरा नहीं है। उन्होंने बताया कि बच्चे चा फरवरी 2013 से अपने नाना, जो कि एक किसान हैं के साथ रह रहा था। उसकी मां को पिता ने बेरहमी से पीटा था। आरोप है कि वह परिवार से अधिक दहेज चाहता था।

पीड़ितों के वकील ने बताया कि, बच्चे की मां पिता द्वारा पीटे जाने के चलते बुरी तरह घायल हो गई थीं। फरवरी 2010 में उनकी शादी हुई थी। सिर्फ तीन साल बाद मार्च 2013 में पिटाई के कारण वह घायल हुई और उनकी मौत हो गई। मौत के बाद नाना ने अपने दामाद के खिलाफ आईपीसी की धारा 304-बी (दहेज हत्या) के तहत एफआईआर दर्ज कराई थी।

इसके बाद लड़के का पिता अपने बेटे की कस्टडी की मांग की थी। जिसे लोगों दोनों पक्षों के बीच केस चल रहा है। 2023 की शुरुआत में लड़के के पिता ने अपने ससुर और उनके चार बेटों पर अपने बच्चे की हत्या का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करा दी। पुलिस ने उन पर आईपीसी की धारा 302 (हत्या), 504 (जानबूझकर अपमान) और 506 (आपराधिक धमकी) के आरोपों के तहत केस दर्ज कर लिया।

उत्तराखंड में लागू होगा यूनिफॉर्म सिविल कोड!

देहरादून,11नवंबर2023 (ए)। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड का ड्राफ्ट तैयार हो गया है। अब राज्य की पुष्कर सिंह धामी सरकार इसे कानूनी अमलीजामा पहनाने की तैयारी में है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो अगले हफ्ते यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड, देश का पहले राज्य बन जाएगा।

उत्तराखंड की बीजेपी सरकार ने यूसीसी को लेकर जस्टिस (रिटायर्ड) रंजना प्रकाश देसाई के नेतृत्व में एक कमेटी गठित की थी। इस टीम ने लोगों की राय-मशविरा के बाद एक ड्राफ्ट रिपोर्ट तैयार कर ली है। राज्य में शादी, तलाक,

उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे मामलों के साथ कैसे डील किया जाएगा, इस ड्राफ्ट रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, कमेटी अगले एक से दो दिन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ड्राफ्ट रिपोर्ट सौंपेगी।

रिपोर्ट के अध्ययन के बाद अगले हफ्ते दिवाली के बाद उत्तराखंड विधानसभा का विशेष सत्र बुलाए जाने की तैयारी है. सदन में विधेयक पर चर्चा होगी और उसे पारित कराए जाएगा। बाद में राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन जाएगा।

गुजरात में भी यूसीसी लागू करने की तैयारी

जानकार यह भी कहते हैं कि उत्तराखंड जल्द ही यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने वाला देश का पहले राज्य बन जाएगा। इसी के साथ ही उत्तराखंड की ही तर्ज पर गुजरात भी यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की तैयारी में है। वहां 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू किया जा सकता है।

संपादकीय

पलट गई पूरी कहानी

अब चूंकि 94 लाख परिवार अति गरीबी की अवस्था में हैं, तो बिहार के मुख्यमंत्री ने उनमें से हर परिवार को दो लाख रुपए देने की घोषणा की है। मगर इससे बिहार की स्थायी आर्थिक और शैक्षिक समस्याओं का समाधान कैसे निकलेगा, यह उन्होंने नहीं बताया है।

बिहार में सत्ताधारी महागठबंधन ने जातीय सर्वेक्षण करवा कर आने वाले चुनावों के लिए जो कथानक तैयार करना चाहा था, सर्वे से सामने आए आंकड़ों ने उसे पूरी तरह पलट दिया है। पहले तो बिहार की सामाजिक (यानी जातीय) संचरना के जो आंकड़े बीते दो अक्टूबर को जारी हुए, उनसे इस बारे में पहले से मौजूद धारणा में नाटकीय बदलाव का कोई स्रोत नहीं मिला। अब जो जाति-वार आर्थिक आंकड़े जारी हुए हैं, उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि असल में पूरा बिहार ही अपेक्षाकृत गरीब और पिछड़ा है। राज्य में मासिक छह हजार रुपए से कम पर गुजारा चलाने वाले परिवारों के लिहाज से देखें, तो सवर्ण और ओबीसी परिवारों की संख्या में फासला सिर्फ सात प्रतिशत का है। अगर 20 हजार रुपए से कम पर गुजारा चलाने वाले परिवारों पर गौर करें, तो यह फासला सिर्फ 3-4 प्रतिशत का रह जाता है। दूसरी तरफ बिहार में कुल सरकारी नौकरियां तकरीबन 16 लाख हैं, जिनमें से लगभग 10लाख पहले से ही ओबीसी, दलित और आदिवासी समुदायों के पास हैं।

ऐसे में इन समुदायों के लिए आरक्षण की सीमा बढ़ा कर 65 प्रतिशत करने का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एलान महज प्रतीकात्मक बन कर रह जाता है। अब चूंकि 94 लाख परिवार अति गरीबी की अवस्था में हैं, तो मुख्यमंत्री ने उनमें से हर परिवार को दो लाख रुपये देने की घोषणा की है। मगर इससे बिहार की स्थायी आर्थिक और शैक्षिक समस्याओं का समाधान कैसे निकलेगा, यह उन्होंने नहीं बताया है। जाहिर है, यह रकम अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बजट में कटौती करके ही जुटाई जाएगी। इस तरह दीर्घकालिक विकास में निवेश की कीमत पर अल्पकालिक राजनीतिक लाभ दिलाने वाले कदम पर अमल किया जाएगा। यह कितना सही नजरिया है, इस पर बहस की गुंजाइश है। बहरहाल, अब यह प्रमुख सवाल उठा है कि बिहार की इस हालत के लिए जिम्मेदार कौन है? महागठबंधन में शामिल दल इस जवाबदेही से बच नहीं सकते। आखिर मंडलवादी दौर आने के बाद से बिहार की सत्ता उनके हाथ में ही रही है। और वे केंद्र की सत्ता में भी ज्यादातर समय तक भागीदार रहे हैं।

दीपावली महापर्व पर मां लक्ष्मी जी को नमन वंदन

» दीपोत्सव के मौके पर गणेश लक्ष्मी मां के पूजन से सुख समृद्धि खुशहाली कुबेर खज़ाना व मंगलमय का आशीर्वाद प्राप्त होता है...

» आओ दीपावली पर्व 2023 पर मां लक्ष्मी से अपने लिए धन कुबेर और भारत माता के लिए नंबर एक अर्थव्यवस्था बनने की मन्नत मांगे

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तर पर भारत में मनाए जाने वाले अनेकों पर्वों का महापर्व दीपावली माना जाता है,जो केवल भारत में ही नहीं पूरी दुनियां के कोने-कोने में बसे भारतवंशियों द्वारा बहुत गहरी आस्था के साथ धूमधाम से मनाया जाता है।वैसे तो इस दीपावली पर्व की शुरुआत 10 नवंबर धनतेरस से शुरू होकर 5 दिन तक मनाया जाता है। परंतु मुख्य दिवस दीपावली लक्ष्मी पूजन पर्व 12 नवंबर 2023 को पूरी दुनिया में मनाई जाएगी परंतु अमेरिका के प्रसिद्ध प्रिंट मीडिया पेपर हम हिंदुस्तानी में दिए गए रिपोर्ट में कुछ दिन पहले से ही अमेरिका में रंगारंग कार्यक्रम कर दिवाली महोत्सव की शुरुआत कर दी गई है। वैसे भी भारत सहित दुनियां में रोशनी और प्रकाश पर्व दीपावली का इंतजार बेसब्री से किया जाता है, जिसकी तैयारी बहुत दिनों से की जाती है और मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए इस दिन कई मान्यताओं के अनुसार अपने-अपने विश्वास के साथ कुछ प्रथाएं अपनाई जाती है। हम मीडिया में देखेंगे तो मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए अनेकानेक प्रथाओं को अपनाया जाता है, जिसका अपने-अपने स्तर पर एक महत्व हैं, परंतु दीप, रंगोली और लक्ष्मी पूजन यह तीन कार्य हर घर दुकान ऑफिस या मानवीय स्थान पर किए जाते हैं जिनकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। चूंकि दीपावली पर्व को मानने वाला हर व्यक्ति अपने परिवार की सुख समृद्धि के लिए मां लक्ष्मी गणेश का नमन वंदन करते हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,दीपोत्सव के मौके पर गणेश लक्ष्मी मां की पूजन से, सुख समृद्धि खुशहाली कुबेर खजाना वह मंगलमय का आशीर्वाद प्राप्त होता है इसलिए आओ दीपावली पर्व 2023 पर मां लक्ष्मी से अपने लिए धन कुबेर और भारत माता के लिए नंबर एक अर्थव्यवस्था वाला देश बनने की मन्नत मांगे।

साथियों बात अगर हम दीपावली पर्व 12 नवंबर 2023 पर मां लक्ष्मी गणेशकी पूजा अर्चना करने की करें तो, दिवाली धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का इसी दिन समुद्र मंथन से प्राकट्य हुआ था। यह कार्तिक मास की अमावस्या को मनाई जाती है। रात 12 बजे से प्रातःकाल तक का समय महानिशा काल कहलाता है। इस दिन लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु गणपति, सरस्वती, हनुमान जी का पूजन करना चाहिए। दिवाली की पूजा हमेशा स्थिर लग्न में करनी चाहिए। चार स्थिर लग्न के अलावा भी दो अन्य लग्न ऐसे हैं जिनमें पूजा की जा सकती है।शुभ मुहूर्त-प्रातःकाल 7:20 से 9:37 तक वृश्चिक लग्न।दोपहर 1:24 से 2:55 तक कुंभ लग्न।शाम को 6 बजे से 7:57 तक वृषभ लग्न। इस समय सभी लोगों को घरों में पूजा करनी चाहिए।शाम 7:57 बजे से रात 10:10 तक भी घरों में पूजा कर सकते हैं।अंतिम शुभ मुहूर्त अर्धरात्रि में 12:28 से लेकर 2:45 तक सिंह लग्न में है। जिन लोगों की पूजा किसी कारण से रह जाए वो अंतिम मुहूर्त में भी पूजन कर सकते हैं। माना जाता है कि इस पर्व पर की गई लक्ष्मी पूजा से घर-परिवार में सुख समृद्धि बनी रहती है। लक्ष्मी जी की पूजा में कुछ खास बातें ध्यान रखी जाएं तो पूजा का फल जल्दी मिल सकता है। हिंदू धर्म में दिवाली का विशेष महत्व है। दिवाली के पर्व को अंधकार पर प्रकाश की विजय के रूप में मनाते हैं। इस दिन मां लक्ष्मी के साथ गणेश की जी विधिवत पूजा की जाती है। दिवाली के दिन पूजा करने के साथ-साथ कुछ ज्योतिषीय उपाय करना भी लाभकारी माना जाता है। सुखी और समृद्ध जीवन के लिए दीपावली के दिन इन उपायों को करने से मां होगा लाभकारी दिवाली के दिन मां लक्ष्मी गणेश

जी की नई मूर्ति स्थापित करने के साथ-साथ गणेश-लक्ष्मी यंत्र की स्थापना कर सकते हैं। समृद्धि और बुद्धि के देवता भगवान गणेश को माना जाता है इसकी साथ ही धन-ऐश्वर्य और भाग्य की देवी मां लक्ष्मी है। ऐसे में दिवाली के दिन इस जादुई यंत्र को घर में स्थापित करने से आपकी आय, लाभ, धन और भाग्य दोगुनी हो सकती है। माता लक्ष्मी की आराधना का पर्व दीपावली है, इस दिन लोग धन-धान्य और अन्य चीजों की कामना के लिए भगवान श्री गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं. इसके अलावा लोग भगवान कुबेर और अलग-अलग देवी-देवताओं की भी पूजा करते हैं. लेकिन अगर इस दिन अपने घर की लक्ष्मी की पूजा की जाए तो भी लोगों को मनोवांछित वर का लाभ मिल सकता है। आचार्य बताते हैं कि दीपावली के दिन लोगों को अपने घर की लक्ष्मी की भी पूजा करनी चाहिए। घर की लक्ष्मी की आराधना करने से लोगों को सभी मनोवांछित वर की प्राप्ति होती। एक जानकार बताया कि घर की लक्ष्मी को भी माता लक्ष्मी के बराबर ही माना जाता है और इस दिन अहोरात्रि यानी पूरी रात उनकी पूजा करनी चाहिए। इसके लिए लोगों को चाहिए कि वह अपने घर की लक्ष्मी जिसमें उनकी पत्नी, बेटी, बहन या कोई भी महिला हो सकती है.द्य उन्हें पूरी तरह से तैयार करके किसी आसन पर विराजमान कर दें, फिर उन्हें 16 श्रृंगार कर दें। इसके उपरांत उनके पास धूप, दीप आदि जलकर उनकी पूजा करें।उन्हें किसी मेवा या प्रसाद का भोग लगाएं। उन्होंने बताया कि ऐसा करने से जो भी कामनाएं मन में रखी होती है, वह अवश्य पूरी होती है, क्योंकि स्त्रियां भी माता लक्ष्मी का ही रूप मानी जाती है और दीपावली के दिन स्त्रियों का काफी महत्व होता है। ऐसा करने से मां लक्ष्मी को प्रसन्न होती है और वह लोगों को उनकी मनोवांछित कामनाएं का लाभ अवश्य देती हैं। बताया कि इस दिन घर के सभी गहने जेवर की भी पूजा करनी चाइए इसके लिए घर के सोना चांदी आदि से बने जेवरात को किसी बर्तन में निकाल कर पूजा स्थल पर रख दें। उन्होंने बताया कि सोने में भगवान विष्णु का वास होता है। जबकि चांदी में माता लक्ष्मी का वास होता है। इसलिए सोने चांदी का महत्व दीपावली के दौरान काफी होता है और इन जेवरात की पूजा करने से भी भगवान विष्णु।

साथियों बात अगर हम दीपावली महोत्सव में 5 दिनों तक दीप जलाने की करें तो, जिस दीपदान का जिक्र करते ही पूजा-पाठ, धार्मिक आस्था या फिर किसी मांगलिक कार्य का आभास होता है, उसका हिंदू धर्म में आखिर क्या महत्व है? किस कामना के लिए किस तरह दीपदान किया जाता है।हिंदू धर्म में पूजा-पाठ एवं मांगलिक कार्यों के दौरान दीपक को जलाने का बहुत ज्यादा महत्व माना गया है। हिंदू मान्यता के अनुसार दीये के प्रकाश से न सिर्फ अंधेरा बल्कि नकारात्मकता भी दूर होती है। दीये को शुभता और सौभाग्य का कारण माना गया है। यही कारण है कि न सिर्फ दीपावली बल्कि अन्य प्रमुख पर्वों पर तमाम कामनाओं को लिए हुए लोग दीपदान करते हैं। दीपदान के धार्मिक लाभहिंदू मान्यता के अनुसार दीपदान करने पर जो पुण्यफल प्राप्त होता है, उससे व्यक्ति को सुख-सौभाग्य के साथ धन-धान्य और आरोग्य की प्राप्ति होती है। मान्यता है दीपदान के पुण्यफल से आकाल मृत्यु का भय और नवग्रहों का दोष दूर होता है। दीपदान करने पर देवी-देवताओं के साथ पितरों का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है। दीपदान करने से जीवन की नकारात्मक ऊर्जा दूर और सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है।

साथियों बात अगर हम इस महापर्व दीपावली पर रंगोली सजाने की करें तो, हिन्दू धर्म ग्रंथों के अनुसार, रंगोली को कोई भी शुभ काम शुरू करने से पहले बनाने से वहां पर सकारात्मक ऊर्जा पैदा होने के साथ ही अगर उस स्थान पर कोई भी नकारात्मक ऊर्जा हो तो उसका भी नाश हो जाता हैं. इसको लेकर दिल्ली के प्रसिद्ध कालका जी मंदिर के पंडित आशीष ने बताया कि देवी-देवताओं के स्वागत के लिए रंगोली बनाई जाती है. उन्होंने बताया कि खासकर मां लक्ष्मी के घर में आगमन के लिए रंगोली मुख्य द्वार में बनाना शुभ माना जाता है। ऐसा ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहती है।मान्यता यह हैभगवान रामजी जब 14 साल का वनवास काट कर आए थे। तब अयोध्या में लोगों ने स्वागत के लिए हर घर में रंगोली बनाकर और दीप जलाकर राम जी का बड़े धूमधाम से स्वागत किया था। दीपावली पर रंगोली की जानें मान्यतापंडित।आश रंगोली शब्द प्राचीन दृष्टिकोण से संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ रंगों के जरिए भावों को दर्शाना होता है। वहीं भारत में रंगोली को कई जगह अल्पना नाम से भी जाना जाता है। वहीं अब रंगोली बनाने की बात करें, तो रंगोली को फूलों से, रंग से, गुलाल से, एवं आटा से इस्तेमाल करके तैयार किया जाता है ,इसकी डिजाइन दिवाली पूजन में रंगोली लक्ष्मी जी के पद चिन्ह, स्वास्तिक, कमल का फूल, और मोर जैसे कई डिजाइन अपने घर के द्वार पर बनाते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि दीपावली महापर्व 12 नवंबर 2023 पर मां लक्ष्मी जी को नमन वंदन।दीपोत्सव के मौके पर गणेश लक्ष्मी मां के पूजन से सुख समृद्धि खुशहाली कुबेर खज़ाना व मंगलमय का आशीर्वाद प्राप्त होता है।आओ दीपावली पर्व 2023 पर मां लक्ष्मी से अपने लिए धन कुबेर और भारत माता के लिए नंबर एक अर्थव्यवस्था बनने की मन्नत मांगे।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

हे माँ श्री लक्ष्मी

हे माँ श्री लक्ष्मी,
आपको मेरा वन्दन है
आओ हे लक्ष्मी आपका,
अभिनन्दन है।
मैं अकिंचन हूँ,
तुझ मे ये मन अर्पण है,
मैं दीन हूँ तुझमें,
तन-मन ये समर्पण है।
तू दया की सागर,
तू ही तो ऐश्वर्यवान है
तेरी कृपा जिसको
मिले वो भागवान है।
आओ श्री लक्ष्मी,
तेरा आज आह्वान है
स्वीकार करो वंदना,
मन का ये गान है।
आओ शुभ चरण,
धरो पदम्-आसन है
तुझको अर्पित है,
मेरा राजीव ये मन है।
इस पावन-बेला पर,
करूँ यशोगान है
तेरी ममता तेरी,
करुणा जग-महान है।
आस पूरी करदो,
चाहता यह जहान है
तू दयामयी,
वात्सल्यमयी की खान है।
नही रहे कोई निराश,
दो ऐसा वरदान है
सुख-समृद्धि भर दो,
न रहे अभिमान है।

अशोक पटेल आशु
मेघा-धमतरी
छत्तीसगढ़.

दीप जले मधुशाला में भोले

मन की मधुशाला में भोले,
दिल को दिल से मिलाना तुम,
दीप जले गलियों में जितने,
उतने भेद मिटाना तुम।
मन की मधुशाला ...
एक-एक दीप कतार सजे हैं,
जितने मनके हैं माला में,
आस नहीं विश्वास हमें है,
भोले की मधुशाला में।
मन की मधुशाला ...
सुख ही सुख देखा है जिसने,
वो क्या दुख की बात करे,
भोले के सम्मुख आने पर,
खुशियों की बरसात करे।
मन की मधुशाला ....
भोले की बातें जनजीवन,
को मन से समझाने दो,
कृष्ण मिलें चाहे राम मिलें,
सब को खुलकर मुस्कानें दो।
मन की मधुशाला ...
खुशी राम के आने में है,
भोले नें भेजा न्योता,
दीप खुशी में जगमग करते,
राम राज्य आ जाने दो।
मन की मधुशाला .....

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर इन्दौर
मध्यप्रदेश

कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है

पैरो में लगे काटे को निकालने के
लिए दर्द सहना पड़ता है,
कुछ पाने के लिए
कुछ खोना पड़ता है।
घोड़े को रेस जीतने के लिए
चाबुक का मार खाना पड़ता है,
कुछ पाने के लिए
कुछ खोना पड़ता है।
पंछी को ऊंची उड़ान भरने के लिए
संघर्ष करना पड़ता है,
कुछ पाने के लिए
कुछ खोना पड़ता है।
नदी को समुद्र से मिलने के लिए
पहाड़ों से टकराना पड़ता है,
कुछ पाने के लिए
कुछ खोना पड़ता है।
सफलता प्राप्त करने के लिए
नींद चैन त्यागना पड़ता है,
कुछ पाने के लिए
कुछ खोना पड़ता है।
कमल को खिलने के लिए
कीचड़ में रहना पड़ता है,
कुछ पाने के लिए
कुछ खोना पड़ता है।
सोने को निखरने के लिए
अग्नि में तपना पड़ता है,
कुछ पाने के लिए
कुछ खोना पड़ता है ।

श्याम सुंदर साहू
राजिम
गरियाबंद (छत्तीसगढ़.)

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

निरंतर बदल रहा है दीवाली मनाने का अंदाज

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली-

समाज में जैसे-जैसे आधुनिकता का समावेश हो रहा है, वैसे-वैसे हमारे तीज-त्यौहारों पर भी आधुनिकता का प्रभाव स्पष्ट देखा जा रहा है। दीवाली जैसा हमारा पारम्परिक त्यौहार भी आधुनिकता की चपेट से नहीं बच पाया है। पहले लोग दीवाली के दिन श्रद्धापूर्वक अपने घर के अंदर व बाहर सरसों तेल अथवा घी के दीये जलाते थे और रात के समय सपरिवार पूजन में शामिल होते थे लेकिन अब प्रतीकात्मक कुछ दीये जलाने की रस्म निभाने के साथ मोमबत्तियों व रंग-बिरंगी लाइटों का इस्तेमाल होने लगा है। पूजन के लिए तथा घर में खाने के लिए तरह-तरह के पकवान घरों में ही बनाए जाते थे लेकिन अब बाजार की मिठाईयों व ड्राई फ्रूट्स का चलन हो गया है। हल्के पटाखों की जगह कानफोड़ू और अत्यधिक जहरीला धुआं उगलने वाले पटाखों ने ले ली है। हर तरफ दिखावे की होड़ और उपहार संस्कृति नजर आने लगी है। एक विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती कुसुम शंकर कहती हैं कि पहले लोगों में अपने घर में अधिक से अधिक दीये जलाने और घर की मुंडेर पर दीयों की कतार सजाने के लिए अपार उत्साह देखा जाता था। लोग दीये जलाने के लिए प्रायः बच्चों के हाथों से ही रूई की बाती बनवाते थे लेकिन दीयों के लिए बाती भी अब बाजार से रेडीमेड मिलती हैं और लोगों में दीयों के बजाय रंग-बिरंगी मोमबत्तियों व इलैक्ट्रॉनिक लाइटों के प्रति आकर्षण बढ़ गया है। कुसुम शंकर बताती हैं कि वह खुद भी अब एक बड़ा दीया जलाकर दीवाली मना लेती हैं। वह कहती हैं कि कुछ समय पहले तक लोग अपने घरों में इकट्ठे दीवाली मनाते थे लेकिन अब हाई सोसायटी के लोगों में तो दीवाली भी क्लबों में जाकर मनाने का चलन बढ़ गया है, जहां दिखावे की होड़ होने लगी है कि कौन कितनी फैशनेबल ड्रैस और कितने कीमती गहने पहने हुए है। उपहारों का चलन तो इतना बढ़ गया है कि कम्पीटिशन के इस युग में हर जगह दीवाली पर महंगे-महंगे उपहार देकर बॉस को खुश करने की होड़ देखी जाती है। बाजार की मिठाईयों का चलन बढ़ने के कारण दीवाली के अगले दिन बहुत से लोगों के गले खराब नजर आते हैं क्योंकि बाजार की मिठाईयां शुद्ध नहीं रही। वह बताती हैं कि वह तथा उनके पति ऊंचे पदों पर होने के कारण उनके घर दीवाली पर मिठाईयों का अंबार लग जाता है और वह अक्सर सोचती हैं कि इतनी मिठाईयों का क्या करें? वह कहती हैं कि अब पटाखे इतने महंगे हो गए हैं कि गरीब लोग तो फुलझड़ियां या छोटे-छोटे पटाखे चलाकर ही संतोष कर लेते हैं जबकि बड़े-बड़े लोगों की कालोनियां रातभर पटाखों के धमाकों से गूंजती रहती हैं, उधर मनुष्यों से भी ज्यादा पशु-पक्षी दीवाली की रात होने वाले प्रदूषण से सर्वाधिक प्रभावित होते हैं। दीवाली के बदलते अंदाज पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बैंक अधिकारी एस.के. नागपाल कहते हैं कि पहले जहां आस-पड़ोस में एक-दूसरे के घर जाकर मिठाईयां भेंट करके बधाई देने की परम्परा थी और आपसी मेलजोल तथा भाईचारे का माहौल देखने को मिलता है, वहीं अब लोग आस-पड़ोस में मिठाईयां या उपहार बांटने के बजाय उन्हीं लोगों को उपहार देते हैं, जिनसे उनका कोई लाभ हो और उपहारों में भी मिठाईयां का चलन तो खत्म हो गया है। मिठाईयों की जगह अब महंगे ड्राई फ्रूट्स अथवा महंगे-महंगे उपहार दिए जाते हैं। वह बताते हैं कि पहले जहां धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परम्परा थी, वहीं अब लोग बर्तन खरीदने के बजाय विभिन्न स्कीमों का लाभ उठाकर इस अवसर पर फ्रिज, टीवी, एसी इत्यादि खरीदते हैं। नागपाल मानते हैं कि अब दीवाली पर दिखावा ज्यादा बढ़ गया है और उसी के अनुरूप खर्च भी बढ़ रहा है। वह बताते हैं कि देश के प्रमुख बैंक अब दीवाली पर लोगों की खुशियों को पूरा करने में उनके सहभागी बन रहे हैं। नागपाल के अनुसार लोग चूंकि दीवाली पर काफी खरीददारी करते हैं और इस अवसर पर काफी पैसों की भी जरूरत होती है, इसलिए बैंक इस मौके पर 'फेस्टीवल बोनान्जा' इत्यादि विभिन्न आकर्षक योजनाएं शुरू करते हैं, जिसके तहत बैंकों से नवरात्र के समय से दिसम्बर के अंत तक लिए जाने वाले कर्ज पर ब्याज में कुछ छूट प्रदान की जाती है।

दिल्ली में सरकारी नौकरी कर रहे गुड़गांव के राकेश खुराना कहते हैं कि दीवाली पर अब उपहारों के आदान-प्रदान का चलन इतना बढ़ गया है कि उपहार बांटने का सिलसिला दीवाली से 15-20 दिन पहले ही शुरू हो जाता है और यह सिलसिला दीवाली के दिन तक चलता है। उपहार बांटने की कवायद में काफी धन खर्च करने के साथ-साथ इस दौरान व्यक्ति मानसिक व शारीरिक तौर पर इतना थक जाता है कि उसमें दीवाली की औपचारिकताएं निभाने की सामर्थ्य ही नहीं बचती। किराना व्यापारी अजेश कुमार कहते हैं कि पहले दीवाली पर खील, बताशे व चीनी के बने खिलौने खूब बिकते थे और लोग लक्ष्मी पूजन में भी इनका उपयोग किया करते थे लेकिन अब मिठाईयों का चलन इतना बढ़ गया है कि इन सब चीजों का चलन बेहद कम रह गया है। पूजन भी अब मिठाईयों से ही होने लगा है। रंग बिरंगी रोशनियों वाले पटाखों की तरफ लोग जरूर पहले से भी ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं और ज्यादातर ऐसे पटाखों का चलन बढ़ रहा है, जो धमाकेदार आवाज के साथ-साथ आसपास के माहौल को भी कुछ पलों के लिए रंगीन बना दें। लेकिन इनके कारण पर्यावरण को कितना भयानक नुकसान हो रहा है और लोगों में इसी प्रदूषण के कारण कितनी तरह की खतरनाक बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है, इससे जानबूझकर अनजान बने रहते हैं। बहरहाल, प्रकाश पर्व दीवाली पर पहले जो सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिलता था, अब वो बात नहीं रही। लोगों के बीच पहले इस अवसर पर जो सौहार्द देखा जाता था, वह खत्म सा हो गया लगता है और दीवाली पर पूरी तरह आधुनिकता हावी नजर आती है। पाश्चात्य संस्कृति में रंगे बहुत से युवा भी अब दीवाली पर अपने परिवारजनों के साथ पूजा-पाठ में भाग न लेकर क्लबों व पार्टियों में इस अवसर पर अपने तरीके से जश्न मनाते हैं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

दिवाली आज,जानें लक्ष्मी-गणेश पूजन विधि,शुभ मुहूर्त,महत्व और इस दिन क्या करें क्या नहीं

दिवाली की रात सर्वार्थ सिद्धि की रात मानी जाता है। ऐसे में शुभ मुहूर्त में विधि-विधान के साथ पूजन करने से जीवन में खुशियां आती हैं। आपका पूरा साल अच्छा बीतेगा और आप पर लक्ष्मी-गणेश जी की कृपा बनी रहेगी।

12 नवंबर को 2023 को दिवाली है। यह हिन्दू धर्म का एक प्रमुख पर्व है। यह पर्व पूरे भारत में बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जाता है। दीपावली को रोशनी, उल्लास और शुभकामनाओं का प्रतीक माना जाता है। दिवाली की रात लक्ष्मी-गणेश की पूजा का सबसे अधिक महत्व होता है। मान्यता है कि यदि आप सच्चे मन और विधि विधान से पूजा करते हैं, तो धन की देवी मां लक्ष्मी और बुद्धि के देवता गणेश आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपका पूरा साल अच्छा बीतेगा और आप पर लक्ष्मी-गणेश जी की कृपा बनी रहेगी। दिवाली की रात सर्वार्थ सिद्धि की रात मानी जाता है। ऐसे में शुभ मुहूर्त पर विधि-विधान के साथ पूजन करने से जीवन में खुशियां आती हैं। तो चलिए जानते हैं दिवाली की पूजा विधि, शुभ मुहूर्त, महत्व और इस दिन क्या करें क्या नहीं..

दिवाली 2023 पूजा का शुभ मुहूर्त

दिवाली की पूजा का शुभ मुहूर्त 12 नवंबर की शाम 5 बजकर 40 मिनट से लेकर 7 बजकर 36 मिनट तक है। वहीं लक्ष्मी पूजा के लिए महानिशीथ काल मुहूर्त रात 11 बजकर 39 मिनट से मध्यरात्रि 12 बजकर 31 मिनट तक है। इस मुहूर्त में लक्ष्मी पूजा करने से जीवन में अपार सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी।

दिवाली पूजा सामग्री लिस्ट

मां लक्ष्मी, गणेश जी, माता सरस्वती और कुबेर देव की मूर्ति
अक्षत, लाल फूल, कमल के और गुलाब के फूल, माला, सिंदूर, कुमकुम, रोली, चंदन
पान का पत्ता और सुपारी, केसर, फल, कमलगट्टा, पीली कौड़ियां, धान का लावा, बताशा, मिठाई, खीर, मोदक, लड्डू, पंच मेवा
शहद, इत्र, गंगाजल, दूध, दही, तेल, शुद्ध घी, कलावा, पंच पल्लव, सप्तधान्य
कलश, पीतल का दीपक, मिट्टी का दिया, रुई की बत्ती, नारियल, लक्ष्मी और गणेश के सोने या चांदी के सिक्के, धनिया
आसन के लिए लाल या पीले रंग का कपड़ा, लकड़ी की चौकी, आम के पत्ते
लौंग, इलायची, दूर्वा आदि।

दिवाली 2023 पूजा विधि

दिवाली पर मुख्य रूप से मां लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती है। ऐसे में पूजा के लिए सबसे पहले पूजा स्थान को साफ करें और एक चौकी पर लाल या पीले रंग का कपड़ा बिछाएं। फिर इस चौकी पर बीच में मुट्ठी भर अनाज रखें। कलश को अनाज के बीच में रखें। इसके बाद कलश में पानी भरकर एक सुपारी, गेंदे का फूल, एक सिक्का और कुछ चावल के दाने डालें। कलश पर 5 आम के पत्ते गोलाकार आकार में रखें। बीच में देवी लक्ष्मी की मूर्ति और कलश के दाहिनी ओर भगवान गणेश की मूर्ति रखें। अब एक छोटी-सी थाली में चावल के दानों का एक छोटा सा पहाड़ बनाएं, हल्दी से कमल का फूल बनाएं, कुछ सिक्के डालें और मूर्ति के सामने रखें दें। इसके बाद अपने व्यापार/लेखा पुस्तक और अन्य धन/व्यवसाय से संबंधित वस्तुओं को मूर्ति के सामने रखें। अब देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश को तिलक करें और दीपक जलाएं।

इसके साथ ही कलश पर भी तिलक लगाएं। इसके बाद भगवान गणेश और लक्ष्मी को फूल चढ़ाएं और पूजा के लिए अपनी हथेली में कुछ फूल रखें। अपनी आंखें बंद करें और दिवाली पूजा मंत्र का पाठ करें। हथेली में रखे फूल को भगवान गणेश और लक्ष्मी जी को चढ़ाएं। लक्ष्मी जी की मूर्ति लें और उसे पानी से स्नान कराएं और उसके बाद पंचामृत से स्नान कराएं। मूर्ति को फिर से पानी से स्नान कराकर, एक साफ कपड़े से पोछें और वापस रख दें। मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम और चावल डालें। माला को देवी के गले में डालकर अगरबत्ती जलाएं। फिर नारियल, सुपारी, पान का पत्ता माता को अर्पित करें। देवी की मूर्ति के सामने कुछ फूल और सिक्के रखें। थाली में दीया लें, पूजा की घंटी बजाएं और लक्ष्मी जी की आरती करें।

दिवाली पूजा मंत्र

मां लक्ष्मी मंत्र

ॐ श्रींह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्मी नमः॥

श्री गणेश मंत्र

गजाननम्भूतगभू गणादिसेवितं कपित्थ जम्बू फलचारुभक्षणम्।
उमासुतं सु शोक विनाशकारकं नमामि विघ्नेश्वरपादपंकजम्।

कुबेर मंत्र

ॐ ह्रीं श्रीं क्रीं श्रीं कुबेराय अष्ट-लक्ष्मी मम गृहे धनं पुरय पुरय नमः॥

दिवाली पर क्या करें ?

➡ दिवाली के दिन प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर स्वच्छ एवं सुन्दर वस्त्र धारण करें।
➡ दिन में पकवान बनाएं और घर सजाएं। अपने से बड़ों का आशीर्वाद लें।
➡ शाम को पूजा से पहले पुनः स्नान करें।
➡ इसके बाद लक्ष्मी-गणेश की विधि-विधान से पूजा करें।
➡ व्यावसायिक प्रतिष्ठान,गद्दी की भी विधिपूर्वक पूजा करें।
➡ घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाएं।

दिवाली पर क्या न करें ?

➡ दिवाली के दिन घर के प्रवेश द्वार पर या घर के अंदर कहीं भी गंदगी न रहने दें।
➡ इस दिन किसी गरीब या जरूरतमंद को दरवाजे से खाली हाथ न लौटाएं।
➡ दिवाली के दिन जुआ न खेलें, शराब पीने और मांसाहारी भोजन लेने से बचें।
➡ भगवान गणेश की ऐसी मूर्ति न रखें, जिसकी सूंड दाहिनी ओर हो।
किसी को लेदर से बना तोहफा, धारदार तोहफा और पटाखे न दें।
दीपावली के दिन न कर्ज दें और न लें।
➡ पूजा स्थल को रात भर खाली न छोड़ें। उसमें इतना घी या तेल डालें की वह पूरी रात जलता रहे।

दिवाली उपाय

➡ दिवाली की रात पूजा के दौरान मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और कुबेर जी को प्रसन्न करने के लिए उनके प्रिय भोग अर्पित करें।
➡ लक्ष्मी जी को खीर या फिर दूध से बनी सफेद मिठाई का भोग लगाएं।
➡ गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें और उनको मोदक या फिर लड्डू का भोग लगाएं।
➡ वहीं कुबेर देवता को साबुत धनिया चढ़ाएं।
मान्यता है कि दिवाली पर ऐसा करने से लक्ष्मी-गणेश और कुबेर प्रसन्न होंगे और आपको सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देंगे।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

क्या मीडिया को चुप करके कांग्रेस प्रत्याशी जीतना चाहते हैं पांचवा विधानसभा चुनाव ?

क्या सीतापुर विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी पिता-पुत्र ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मुंह पर चिपकाए नोट...क्या इसी वजह से उनकी कमियां नहीं दिखा पा रही मीडिया ?

सीतापुर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी ने इस कदर मीडिया को किया मैनेज की चुनाव समय में उनकी कमियां नहीं हो रही उजागर

- विशेष संवाददाता -
अंबिकापुर,11 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

इस समय छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान को लेकर काफी कम दिन बचे हैं सभी दल के प्रत्याशी इस जोर आजमाइश में है कि वह मतदाताओं को अपने पक्ष में कर सकें पर इस बार का विधानसभा चुनाव काफी कड़ी टक्कर के बीच होने का अनुमान है, उसी में से सीतापुर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 में जहां कांग्रेस के खाद्यमंत्री अमरजीत भगत प्रत्याशी हैं उन्हीं के सामने भाजपा ने पूर्व सैनिक राजकुमार टोप्पो को विधानसभा प्रत्याशी घोषित कर खड़ा किया है और यह पूर्व सैनिक काफी कड़ी टक्कर देते दिख रहे हैं, भाजपा ने जिस प्रत्याशी का चुनाव किया है उसे विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने पत्र लिखकर चुनाव लड़ने का आग्रह किया था जिसके बाद उन्होंने रिटायरमेंट ले ली थी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन्हें भाजपा में शामिल किया था, यह प्रत्याशी भले ही राजनीतिक रूप से कमजोर हैं पर उनकी लोकप्रियता इस विधानसभा में बढ़ी हुई है जिस कारण कांग्रेस प्रत्याशी जो 4 बार के विधायक हैं वह भी इस प्रत्याशी से घबराए हुए हैं घबराहट भी इतनी है की क्षेत्र के मीडिया के मुंह पर नोट चिपका दिया गया है जैसा बताया जा रहा है जिस वजह से इस क्षेत्र की मीडिया ना तो भाजपा प्रत्याशी के लिए कुछ बोल पा रही है और ना ही मंत्री जी के लिए उनकी कमियां ही गिना पा रही है, कांग्रेस प्रत्याशी लगातार चार बार के विधायक सहित कांग्रेस की सत्ता में मंत्री हैं और अपने मंत्री होने के कार्यकाल में इन्होंने जो कारनामे किए हैं वह किसी से छुपी नहीं है जिसका विरोध भी उनके ही विधानसभा में इतना अधिक है कि इनको अपने विधानसभा में काम करने वाले कार्यकर्ता नहीं मिल रहे दूसरे विधानसभा से इन्हे कार्यकर्ता बुलाना पड़ रहा है अन्य जगह से कार्यकर्ता लाया जा रहा है और पूरे चुनाव का मैनेजमेंट पिता पुत्र देख रहे हैं स्थिति यह है कि पिता पुत्र किसी का फोन तक नहीं उठा पा रहे पर मीडिया के मुंह पर नोट चिपकाने की बात दबी जुबान पर सुनने को मिल रही हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी अमरजीत भगत सीतापुर विधानसभा क्षेत्र से पांचवीं बार चुनावी मैदान में

छत्तीसगढ़ के 90 विधानसभा में 11 नंबर विधानसभा सीतापुर है जहां पर अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए सीट आरक्षित की गई है इस विधानसभा में 1952 से लेकर 2023 तक 15 चुनाव हो चुके हैं 16 वां चुनाव होने वाला है अभी तक की स्थिति की बात की जाए तो दो बार निर्दलीय प्रत्याशियों ने यहां पर जीत दर्ज की है बाकी में कांग्रेस के प्रत्याशी ही यहां से जीत दर्ज करते आए, जिसमें से तत्कालीन कांग्रेस प्रत्याशी अमरजीत भगत जो 2003 से लगातार 2018 तक जीत दर्ज की है यह उनका पांचवा चुनाव है, विपक्ष में रहते हुए इन्होंने अपना तीन कार्यकाल पूरा किया उस समय इनका जनाधार काफी अच्छा था पर अपने ही सत्ता में इनका कार्यकाल पूरी तरीके से खराब हो गया या कहा जाए तो लूट खसोट वाला कार्यकाल रहा ऐसा हम नहीं उनके विधानसभा क्षेत्र के लोग कह रहे हैं, इनके विजय रथ को रोकने के लिए इस बार इन्हीं के विधानसभा के लोगों की

पसंद जानकर पूर्व सैनिक रामकुमार टोप्पो को भारतीय जनता पार्टी ने मौका देकर चुनाव में उतारा है और इनका विजय रथ रोकने की रणनीति बनाई है। देखना है क्या विजय रथ उनका रुकता है या वह जीत दर्ज कर ले जाते हैं?

मंत्री जी अपने ही सरकार में अपने ही विधानसभा से गुजरने वाली नेशनल हाईवे 143 को पूरा नहीं कर पाए

मंत्री जी यानी कि सीतापुर विधानसभा के प्रत्याशी अमरजीत भगत जो अपने ही शासन काल में उनके विधानसभा से गुजरने वाली 143 नेशनल हाईवे को पूरा नहीं कर पाए जबकि पुरानी बीजेपी सरकार में इसी सड़क के लिए वह विरोध प्रदर्शन करके सड़क पर ही रोपा लगाते देखे गए थे पर अपनी ही सरकार में आखिर क्या वजह थी कि वह इस नेशनल हाईवे को पूरा नहीं कर पाए क्या यह उनकी नाकामी है या फिर इनकी उदासीनता अपने ही विधानसभा के लिए। आज सीतापुर सड़क की बात की जाए तो यह प्रदेश का एकमात्र ऐसी सड़क है जिसमे सफर करना कोई पसंद नहीं करता बस मजबूरी में वह इस सड़क पर सफर करता है। कोरिया सरगुजा के लोग जांजगीर चांपा होकर रायगढ़ जाना ज्यादा पसंद करते हैं यह आम बात है।

अपने ही क्षेत्र की जनता को नाराज कर कर क्यों लगवाना चाहते हैं मंत्री जी एल्युमिनियम फैक्ट्री ?

सीतापुर विधायक अमरजीत भगत का बतौली विकासखंड के ग्राम चिरगां गांव में हो रहा है विरोध सूत्रों की माने तो ऐसे कई गांव में हो रहा है कांग्रेसी विधायक अमरजीत भगत का विरोध, वैसे बताया यह जा रहा है कि मंत्री जी जिन मतदाताओं के दम पर जीतकर चार बार विधायक बने उन्हीं के विरोध का सामना उन्हें

- » मीडिया मैनेज होने के बावजूद कांग्रेस प्रत्याशी अमरजीत भगत को भाजपा प्रत्याशी के रूप में रिटायर्ड फौजी दे रहे हैं कड़ी टक्कर
- » कांग्रेस प्रत्याशी सीतापुर विधानसभा से पांचवीं बार चुनाव मैदान में क्या इस बार उनकी जीत पर रिटायर्ड फौजी लगाएंगे विराम ?
- » उनके विधानसभा में लोगों में आक्रोश पनप रहा,विधानसभा के बाहर के लोग कर रहे चुनाव प्रचार
- » क्या मीडिया को चुप करके कांग्रेस प्रत्याशी जीतना चाहते हैं पांचवा विधानसभा चुनाव ?

इसलिए करना पड़ रहा है क्योंकि वहां की जनता उनके लिए गए निर्णय से नाखुश है और वहां पर बन रहे एल्यूमिनियम फैक्ट्री को स्थापित नहीं करना चाहते क्योंकि वहां पर जमीन अधिग्रहण किया जा रहा है जिसे लेकर ग्रामीणों में विरोध है पर विरोध की परवाह किए बिना मंत्री जी आगे बढ़कर फैक्ट्री के पक्ष में हैं जिस वजह से उनकी जनता उनसे नाराज हो गई है जिस जनता की वजह से उन्हें सत्ता हासिल हुई उसी जनता को नाराज करना क्या मंत्री जी के लिए फायदेमंद होगा यह चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा?

छत्तीसगढ़ शासन में खाद्य मंत्री रहते हुए अपने विधानसभा क्षेत्र का विकास नहीं कर सके अमरजीत भगत

वर्तमान सत्ताधारी दल का दावा है कि बहुत

तेजी से छत्तीसगढ़ में विकास हुआ है पर वहीं विधानसभा क्रमांक 11 सीतापुर की बात की जाए तो यहां पर विकास नहीं हुआ है यहां पर लोग अपने ही विधायक व मंत्री से नाराज है नाराजगी की वजह है मंत्री जी का रूखापन उनके द्वारा अमर्यादित शब्दों का प्रयोग पूरे अपने शासनकाल में मंत्री जी सिर्फ पैसा जुटाने में ही अव्वल रहे अपनी जनता का प्रेम पाने में व उन तक पहुंच पाने में असफल रहे। मंत्री जी अपने निज सचिव तक से कैमरे के सामने किस भाषा में बात करते सुने गए सभी ने देखा सुना।

सीतापुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी से मिल रही है कड़ी टक्कर...मंत्री जी को

बताया जा रहा है की भाजपा ने जिसे प्रत्यासी बनाया है सीतापुर से उन्हे क्षेत्र की जनता ने पत्र लिखकर चुनाव लड़ने आमंत्रित किया है,वह पहले सैनिक थे और उन्होंने जनता के आग्रह पर चुनाव लड़ने का फैसला लिया और चुनावी मैदान में वह उतर गए हैं। भाजपा प्रत्याशी उन्हे कड़ी टक्कर दे रहे हैं मंत्री जी के लिए यह चुनाव आसान नजर नहीं आ रहा है ऐसा क्षेत्र में माना जा रहा है वहीं मंत्री जी भी परेशान हैं यह भी बताया जा रहा है दिनरात वह अपनी जीत सुनिश्चित करने में लगे हुए हैं।

सीतापुर विधानसभा क्षेत्रवासी लेंगे अपने विधायक से बदला जिसे बसाया था पलकों में उसी ने किया छल,नहीं करेंगे कांग्रेस के पक्ष में वोट,ऐसी बातें भी क्षेत्र में सुनी जा रही हैं

सीतापुर विधानसभा में इस बार मतदाता अलग मंशा बनाते नजर आ रहे हैं वह जिस विधायक को जिस व्यक्ति को अपना मानकर चार बार विधानसभा भेजे वह उनके साथ छ्ल किया ऐसा जनता कह रही है और वह बदलाव के मूड में है। वर्तमान विधायक साथ मंत्री की स्थिति यह है की वह अपने ही क्षेत्र में सिमट कर रह गए हैं। क्षेत्र के लोग इस बार कांग्रेस के पक्ष में केवल इसलिए मतदान नहीं करने का मन बना चुके हैं क्योंकि मंत्री बनने के बाद वर्तमान विधायक अंबिकापुर के अपने समर्थकों और व्यापारियों से घिरे रहे उनके अपने विधानसभा क्षेत्र के व्यापारी तक उनसे नाराज है जैसा सूत्रों का कहना है।

सीतापुर विधानसभा क्षेत्रवासी अपने आप को 20 वर्षों से ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं विधायक जी की कार्यशैली से खुश नहीं है विधानसभा क्षेत्रवासी

विधानसभा क्षेत्रवासी सीतापुर अपने आपको 20 वर्ष बाद ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं,अपने विधायक के मंत्री बनते ही उनके बदले स्वरूप से क्षेत्र की जनता काफी नाराज है।क्षेत्र में मंत्री जी का काफी बुरा हाल है इस चुनाव में । कंबल, धोती, साड़ी,गंजा , छाता बांटकर मंत्री जी चुनाव जीतना चाहते हैं।जमीनी हकीकत विपरीत है वह चुनाव में जनता के हाशिए पर हैं जैसा बताया जा रहा है। जनता इस बार बदलाव के मूड में नजर आ रही है।

अभी भी मंत्री जी कुछ लोगों के कहने पर चल रहे हैं गरीब गरीब रह गया अमीर अमीर हो गया सीतापुर विधानसभा क्षेत्र विकास के नाम पर लूट

सीतापुर विधायक साथ ही कैबिनेट मंत्री के कार्यकाल में गरीब गरीब रह गया अमीर अमीर बनता गया यह देखा गया जिसकी चर्चा आम मतदाता करते सुने जा रहे हैं।सीतापुर विधानसभा में विकास के नाम पर पांच साल केवल लूट मची रही यह भी मतदाता कहते सुने जा रहे हैं।

मंत्री महोदय के सिपेसैलर बने करोड़पति

मंत्री जी सीतापुर विधायक के साथ रहने वाले अधिकांश उनके करीबी करोड़पति बन गए इसकी भी जनता में चर्चा है। मंत्री जी किस किस आरोप का जवाब देंगे अब सवाल सबसे बड़ा यही है।

मंत्री महोदय को कड़ी टक्कर दे रहा है भाजपा प्रत्याशी रामकुमार टोप्पो

भाजपा प्रत्याशी पूर्व सैनिक रामकुमार टोप्पो इस बार चार बार के विधायक पांच साल के मंत्री को कड़ी टक्कर देते नजर आ रहे हैं चुनाव में। कुल मिलाकर सीतापुर विधानसभा में एकतरफा माहौल है मंत्री जी के विरोध में खड़े भाजपा प्रत्याशी का।

भाजपा प्रत्याशी रामकुमार टोप्पो को मिल रहा है विधानसभा क्षेत्र में भरपूर सहयोग

भाजपा प्रत्याशी को विधानसभा क्षेत्र में काफी सहयोग भी मिल रहा है। उनका समर्थन लोग खुले दिल से कर रहे हैं वहीं बदलाव की बात भी लोगों की जुबान पर लगातार आ रही है विधानसभा क्षेत्र में।

मंत्री महोदय अपनी खिसकती कुर्सी संभाल नहीं पा रहे हैं

सीतापुर से चार बार के विधायक वर्तमान मंत्री अपनी इस बार खिसकती कुर्सी सम्हालने में जुटे हुए हैं, पुत्र सहित वह क्षेत्र में डटे हुए हैं,उन्हे अपनी कुर्सी खिसकती नजर आ रही है जिसको बचाने वह जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। वैसे कुर्सी जाने का खतरा ज्यादा है जैसा बताया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के वर्तमान मुख्यमंत्री के करीबी कहे जाने वाले खाद्य मंत्री अमरजीत भगत की स्थिति चुनाव में फिलहाल मीडिया मैनेजमेंट तक सीमित

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री वर्तमान के सबसे करीबी माने जाने वाले खाद्य मंत्री सीतापुर विधायक की इस चुनाव में स्थिति अच्छी नहीं मानी जा रही है। मिडिया मैनेजमेंट तक ही उनकी स्थिति बेहतर है, क्षेत्र में जनाधार काफी कमजोर माना जा रहा है, चुनाव परिणाम उनके विपरीत जाता नजर आ रहा है जैसा की क्षेत्र से खबरें सामने आ रही हैं।

पटाखा दुकानों का निरीक्षण की होमगार्ड की फायरबिग्रेड टीम ने

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

शहर के पटाखा दुकानों में पूर्व में एक बार आग लगने से बनी भयावह स्थिति को देखते हुए जिला अग्निशमन अधिकारी के निर्देशानुसार टीम ने मौके का निरीक्षण किया। चुनावी वर्ष में पीजी कॉलेज मैदान में व्हीआईपी और व्हीव्हीआईपी के हेलीकाप्टर से आगमन को देखते हुए इस बार पटाखा दुकानों का स्थल परिवर्तित किया गया है। शासकीय कन्या महाविद्यालय के मैदान में 94 पटाखा दुकानों के अस्थायी संचालन की अनुमति दी गई है।

इसी क्रम में शनिवार को फायर स्टेशन के सहायक ग्रेड-3 अमरसाय एक्का, फायरमैन प्रमोद मिश्रा, गौरव पाठक, चन्टलाल एक्का, अग्निशमन सहायक रविन्द्र यादव, सैनिक देव कुमार के द्वारा पटाका दुकान का निरीक्षण सुरक्षा की दृष्टि से निर्धारित 12 बिंदुओं पर किया गया। टीम ने देखा कि बांसों को बांधने के लिए स्टील के तारों का प्रयोग किया गया है या नहीं। आपात स्थिति में अस्थाई पंडाल तक अग्निशमन वाहन एवं कर्मचारियों की आसानी से पहुंच सुनिश्चित होगी या नहीं। इसके अलावा पटाखा दुकान के पंडालों के चारों तरफ खुला स्थान, बिजली जोखिम से भरे प्रति स्थान से दूरी, निकास का माध्यम, पंडाल निर्माण सामग्री, प्राथमिक अग्निशमन सुरक्षा

यंत्रों, जल भंडारण टैंकर की व्यवस्था पर भी इनकी नजर थी। फायर टीम ने पंडाल में लगे विद्युतीय वायरिंग का व्यवस्था को देखा और असुरक्षित तारों को टेपिंग करवाने कहा। प्रशिक्षित अग्नि सुरक्षा स्टाफ की उपलब्धता की जानकारी ली। पंडालों के पास बालू (सेंड) एवं पानी की पर्याप्त व्यवस्था हो इसके लिए निर्देशित किया गया। वाहन पार्किंग एवं दुकानों के बीच में आवश्यक दूरी बनाकर रखने कहा गया। टीम ने उपरोक्त सभी बिंदुओं के अनुसार निरीक्षण के बाद प्राथमिक दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

एनओसी की बाध्यता नहीं होने से मनामना दुकानों का संचालन

देखा जाए तो पटाखा दुकानों का संचालन जिस नियम के तहत होना चाहिए उसका पालन नहीं किया जा रहा है। पटाखा दुकान लगने के पूर्व अग्निशमन विभाग से एनओसी की बाध्यता नहीं होने से अनियमित तरीके से पटाखा दुकानें लगाई जाती हैं। सुरक्षात्मक बिंदुओं को नजरअंदाज कर दिया जाता है। दुकानों के बीच तीन-तीन मीटर की दूरी नहीं रखी गई है। दुकानों के लगने के बाद यहां की व्यवस्था में परिवर्तन कर पाना भी आसान नहीं है। पटाखा दुकान की जांच के दौरान अधिकतर जगह फायर से टी के प्रबंध पाए गए, कुछ दिनों में अग्निरोधक संयंत्र नहीं रखे गए थे। इन्हें आवश्यक रूप से फायर से टी के मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए।

मकान में लगी आग,मशक्कत के बाद पाया फायर टीम ने पाया काबू

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना अंतर्गत जयस्तंभ चौक के पास एक मकान में शनिवार की सुबह आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचकर लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जयस्तभ चौक निवासी गोविन्द गोयल के मकान में शनिवार की सुबह 4.45 बजे आग लग गई। सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेट की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मकान के प्रथम तल में आग लगने से कमरे में रखे पलंग, गद्दा, ड्रेसिंग टेबल सहित अन्य सामान जलकर खाक हो गया।

आज धूमधाम से मनेगी दीपावली,घर-आंगन होंगे रोशन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 11 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

प्रकाश का पर्व दीपावली रविवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। इसे लेकर चारों तरफ उत्साह है। शनिवार को दिवाली के साथ-साथ धनतेरस की खरीदारी लोगों ने की। त्योहार की तैयारी को लेकर बाजार में चहल-पहल रही। रंग-बिरंगे बिजली के बल्बों से लेकर अन्य सजावटी सामानों की खरीदारी जोरों पर की गई। इसके अलावा अपने घरों को जगमग करने के लिए मिट्टी के दीये भी लोगों ने खरीदे। लोगों ने दीपावली के शुभ अवसर पर पूजा करने के लिए भगवान गणेश व मां लक्ष्मी की मूर्तियां भी खरीदीं।

गौरतलब है कि दीपावली त्यौहार रविवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। दीपावली की खरीदारी को लेकर शनिवार को बाजार में उत्साह देखा गया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र के लोग खरीदारी करते नजर आए। लोगों ने मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए अपने-अपने घरों को आकर्षक ढंग से सजाया है। घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई पिछले 15 दिनों से चल रही थी, ताकि लोग दीपावली के शुभ अवसर पर पूजा-अर्चना कर सकें।

दीपावली के एक दिन पूर्व लोग बाजार में मिट्टी के दीये, बत्ती, घरों के सजावट के सामान, पूजन सामग्री खरीदते नजर आए। खरीदारी का सिलसिला रविवार की शाम तक चलेगा। शाम को शुभ मुहूर्त में लोग भगवान गणेश व मां लक्ष्मी की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। दीपावली उमंग व उत्साह का त्यौहार है। इस अवसर पर लोग एक दूसरे को गिफ्ट देते हैं। दिवाली के अवसर पर मिठाई का महत्व है। लोग आकर्षक पैकिंग कराकर मिठाई, ड्राई फरूट्स, फल व अन्य सामान अपने शुभ चिंतकों, मित्रों को भेंज रहे हैं। इस लिए शहर के होटलों में भी दिवाली को लेकर विशेष तैयारी की गई है।

शहर में फूटेंगे करोड़ों के पटाखे

दीपावली के शुभ अवसर पर जोरदार आतिशबाजी की जाती है। इसे लेकर गर्ल्स कॉलेज मैदान में लगभग 190 से ज्यादा पटाखें दुकानें लगाई गई हैं। सोमवार को दिवाली के अवसर पर करोड़ों के पटाखे फूटेंगे। पटाखा व्यवसायी पिछले तीन-चार दिनों से अपनी दुकानें सजाने में लगे हुए हैं। महंगाई की मार पटाखों पर भी पड़ी है। वहीं शासन द्वारा प्रदेश में पटाखे फोडने के लिए रात 8 से 10 बजे तक समय निर्धारित किया गया है।

मिट्टी के दीयों की जमकर हुई खरीदारी

दिवाली के लिए इस बार एक सप्ताह पूर्व से ही बाजार सजावटी सामान की खरीदारी के लिए सज चुके हैं। इस बार चीन निर्मित माल काफी कम है और महंगा होने के बावजूद स्वदेशी प्रोडक्ट की मांग है। सजावटी सामान के कारोबारियों का कहना है कि लोगों में राष्ट्रवाद की भावना जागृत होने के चलते इस बार चाइनीज सामान बाजार से लगभग पूरी तरह नदारद है। सजावटी सामान में केवल मेक इन इंडिया प्रोडक्ट की उपलब्धता है। महंगा होने के बावजूद लोग स्वदेशी की ही मांग कर रहे हैं। दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीपक का विशेष महत्व होता है। लोग कितने भी आकर्षक तरीके से लाइटिंग से अपने घरों को जगमग कर लें पर मिट्टी के दीपक घरों में नहीं जले तो दीपावली का पर्व अधूरा रह जाता है, इसलिए मिट्टी के दीपक की खरीदारी पिछले चार दिनों से की जा रही है। शनिवार को लोगों ने बाजार में मिट्टी के दीयों की जमकर खरीदारी की, इससे कुम्हारों के चेहरे पर मुस्कान नजर आई।

लंदन में युद्धविराम दिवस पर फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन,मेट्रोपॉलिटन पुलिस को करनी पड़ी मशक्कत

लंदन, 11 नवम्बर 2023। लंदन की सड़कों पर फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने शनिवार को लंदन में एक बड़ा पुलिस अभियान शुरू किया। बता दें कि ब्रिटेन में विश्व युद्ध के शहीदों की याद में युद्धविराम दिवस (रिमेंबरेंस वीकेंड) मनाया जाता है। इस साल ब्रिटिश नागरिकों ने दो मिनट का मौन रखा। इसी दिन इस्राइल और हमास के हिंसक संघर्ष का विरोध कर रहे हजारों प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर मार्च करने की योजना बनाई। शहर की कानून-व्यवस्था न बिगड़े इसलिए मेट्रोपॉलिटन पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

बता दें कि पश्चिम एशिया (मध्य पूर्वी) में बीते एक महीने से अधिक समय से युद्ध हो रहा है। इस्राइल-हमास संघर्ष के विरोध में ब्रिटेन की जनता बड़ी संख्या में प्रदर्शन कर रही है। यूके में रिमेंबरेंस वीकेंड के रूप में वर्ल्ड वॉर में जान गंवाने वाले पूर्वजों को याद किया जाता है। दुनिया का ध्यान खींचने के लिए फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शन भी इसी अवधि में आयोजित किए गए।

बता दें कि फलस्तीन के समर्थन में होने वाले आयोजन पर प्रतिबंध न लगाए जाने को लेकर कई दिनों तक विवाद हुआ। इसके बाद मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा कि उसने ड्यूटी पर अधिकारियों की संख्या दोगुनी कर लगभग 2,000 कर दी है। पुलिस ने चेतावनी जारी कर कहा कि रिमेंबरेंस वीकेंड के दौरान स्मरणोत्सव कार्यक्रमों में किसी भी तरह के व्यवधान से कड़ाई से निपटा जाएगा।

ब्रिटेन की गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन ने भी आक्रामकता का सहारा लेने वाले प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई न करके ÷ढुलमुल भूमिका÷ निभाने के लिए पुलिस बल की आलोचना की थी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने युद्धविराम दिवस पर विरोध प्रदर्शन को ÷भड़काऊ और अपमानजनक÷ करार दिया था। हालांकि, रिमेंबरेंस वीकेंड की पवित्रता सुनिश्चित करते हुए फलस्तीन समर्थक मार्च के दौरान पुलिस की तैनाती के अपने फैसले का समर्थन भी किया।

गिरफ्तार हो सकती हैं इमरान खान की पत्नी,फवाद चौधरी को समन; पंजाब प्रांत में आतंकी साजिश नाकाम

इस्लामाबाद,11 नवम्बर 2023। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। उन्हें कथित भ्रष्टाचार के मामले में जेल की हवा खानी पड़ सकती है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) बुशरा बीबी को कथित तौर पर प्राप्त कुछ वित्तीय लेनदेन से संबंधित सबूतों की जांच कर रहा है। एजेंसी को मिले सबूतों के बरद बुशरा को आरोपी बनाया जा सकता है। एनएबी का आरोपी बनने के बाद 49 वर्षीय बीबी को गिरफ्तार भी किया जा सकता है।

इस बीच पाकिस्तान के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) के अधिकारियों ने शनिवार को दावा किया कि उन्होंने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के पांच आतंकियों को गिरफ्तार कर पंजाब प्रांत में प्रमुख प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है।

पांच आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया

पंजाब पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने कहा कि उसने इस सप्ताह प्रांत के विभिन्न जिलों में खुफिया सूचना के आधार पर 179 अभियान चलाए, जिसमें पांच आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया।

सीटीडी ने कहा कि उसने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और लश्कर-ए-झांगवी (एलईजे) आतंकवादी संगठनों से जुड़े आतंकियों को गिरफ्तार कर बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। आतंकवादियों ने पूरे प्रांत में हमले की योजना बनाई थी और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना चाहते थे।

इसने एक बयान में कहा, इन आतंकवादियों की गिरफ्तारी साहीवाल, पाकपट्टन, बहावलपुर और रावलपिंडी में खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियानों के दौरान की गई। गिरफ्तार लोगों के पास से आधा किलोग्राम विस्फोटक, दो हथगोले, दो आईईडी बम, पांच डेटोनेटर, 13 फुट सुरक्षा फ्यूज तार, 3.5 फुट प्राइमा कार्ड और प्रतिबंधित साहित्य बरामद किया गया। पुलिस ने आतंकवादियों के खिलाफ पांच मामले दर्ज किए हैं और उन्हें पूछताछ के लिए एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है।

दोहरी कैरिजवे परियोजनाः एनएबी ने फवाद चौधरी को तलब किया

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के पूर्व सदस्य और पूर्व संघीय मंत्री फवाद चौधरी को देश की जवाबदेही निगरानी संस्था ने दोहरी कैरिजवे परियोजना में उनकी कथित संलिप्तता के लिए तलब किया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने शनिवार को खबर दी कि राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने शुक्रवार को चौधरी को 13 नवंबर को सुबह 10 बजे ब्यूरो के रावलपिंडी कार्यालय में एक संयुक्त जांच दल (जेआईटी) के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया।

पाकिस्तान में शनिवार शाम महसूस किए गए भूकंप के झटके; तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 मापी गई

इस्लामाबाद, 11 नवम्बर 2023। पाकिस्तान में शनिवार शाम 6:06 बजे भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, मुल्क के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 मापी गई।

क्यों आता है भूकंप?

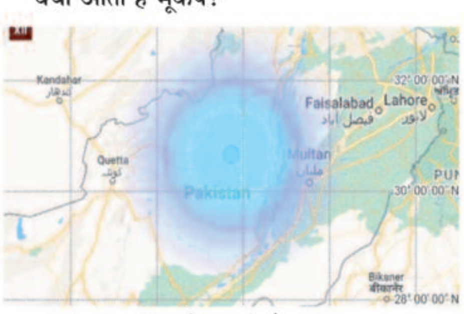

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

क्या है भूंकप के केंद्र और तीव्रता का मतलब?

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

मालदीव में फंसे आठ भारतीय मछुआरों की वतन वापसी,शेष चार के लिए उच्चायोग के प्रयास जारी

माले, 11 नवम्बर 2023 । मालदीव में फंसे तमिलनाडु के 12 मछुआरों की चिंताओं को दूर करने के लिए भारतीय उच्चायोग ने तेजी से कदम उठाया है। उच्चायोग ने उन आठ लोगों को स्वदेश भेजने की सुविधा प्रदान की है, जिन्होंने तुरंत भारत लौटने की इच्छा जताई थी।

उच्चायोग ने मछुआओं की स्थिति को देखते ही तत्काल कार्रवाई की और मामले का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए मालदीव के अधिकारियों के साथ सक्रियता से संपर्क किया। भारतीय उछ्चायोग के राजनयिक प्रयासों ने मछुआरों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में अहम भूमिका निभाई है।

माले में भारतीय उच्चायोग ने एक एक्स पोस्ट में कहा, मालदीव में 12 भारतीय मछुआरों के बारे में ताजा जानकारी- उच्चायोग ने आज उन आठ मछुआरों को स्वदेश भेजने की सुविधा प्रदान की जिन्होंने तुरंत भारत लौटने की इच्छा व्यक्त की थी। साथ ही मामले के त्वरित समाधान के लिए मालदीव के अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क कर रहे हैं।

खुद को चुनौतीपूर्ण स्थिति में पाने वाले मछुआरों को उच्चायोग द्वारा जरूरी मदद प्रदान की गई। इन व्यक्तियों की तात्कालिक चिंताओं को दूर करने में राजनयिक चैनल की दक्षता भारत और मालदीव के बीच मजबूत संबंधों और प्रभावी सहयोग को रेखांकित करती है। शेष चार मछुआरों के लिए स्थिति को हल करने के प्रयास चल रहे हैं, और उच्चायोग मालदीव के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि उनकी शीघ्र और सुरक्षित भारत वापसी सुनिश्चित की जा सके।

इससे पहले 27 अक्तूबर को तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर मालदीव के अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किए गए राज्य के 12 मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित करने की मांग की थी। दक्षिणी थूथुकुडी जिले के थरुवैकुलम के रहने वाले ये लोग दक्षिणी अरब सागर में मछली पकड़ रहे थे।

अन्नामलाई ने जयशंकर को लिखे अपने पत्र में कहा था, चुनौतीपूर्ण समय के दौरान हमारे तमिल मछुआरों के साथ खड़े रहने और उच्च समुद्र में उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देने में आपके अटूट समर्थन के लिए हम हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। हम 27 अक्तूबर, 2023 को मालदीव के तट रक्षकों द्वारा तूतीकोरिन के 12 मछुआरों की गिरफ्तारी को आपके ध्यान में लाते हैं। हम इन 12 गिरफ्तार तमिल मछुआरों की सुरक्षित और शीघ्र वापसी को सुकर बनाने के लिए आपके हस्तक्षेप का अनुरोध करते हैं।

2 लाख 80 हजार रूपये कीमत के 14 किलो गांजा व परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल को चौकी रेवटी पुलिस ने किया जप्त

- संवाददाता -
सुरजपुर, 11 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव को लेकर जिले की पुलिस पूरी तरह से एलर्ट है और पुलिस का कड़ा पहरा लगा है। पुलिस अधीक्षक श्री आई कल्याण एलिसेला ने अवैध कार्यो के विरूद्ध प्रभावी नियंत्रण एवं सख्त कार्यवाही करने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए है। इसी तारतम्य में बीते 10 नवम्बर को चौकी रेवटी पुलिस को सूचना मिला कि अम्बिकापुर की ओर से एक व्यक्ति मोटर सायकल में गांजा लेकर बिक्री करने बनारस की ओर जा रहा है।

सूचना पर चौकी रेवटी पुलिस ने ग्राम गोवर्धनपुर में घेराबंदी लगाया जो पुलिस को देखकर मोटर सायकल चालक मोटर सायकल छोड़कर भाग निकला। मोटर सायकल की तलाशी लेने पर एक पिठू बैग व डिक्की से 14 किलो गांजा बरामद किया गया। मामले में 14 किलो गांजा कीमत 2 लाख 80 हजार रूपये एवं होण्डा मोटर सायकल जप्त कर धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है और फरार मोटर सायकल चालक की पतासाजी की जा रही है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी रेवटी सुमंत पाण्डेय, एएसआई ज्ञानचंद सिंह, प्रधान आरक्षक अखिलेश यादव, आरक्षक बलिंदर खलखो, अशोक राजवाड़े, अनिल कुमार व प्रेमलाल सिंह सक्रिय रहे।

दीपावली की बजार की भीड़ दिखी कुसमी में

- संवाददाता -
कुसमी,11 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत कुसमी की मुख्य बजार की सड़क में चल रहे लोगो की भीड़ देखकर अनुमान लगाया जा सकता है की दीपावली पर्व पर कुसमी शहर और गांव की जनता ने खुब खरीदारी की है,कुसमी शहर की सड़क पर कई बार जाम की स्थिति निर्मित हो गई, लोगो की काफी भीड़ दिखाई दी,गौरतलब है की शनिवार को कुसमी में सप्ताहिक बजार का दिन होता है और आज शनिवार को छोटी दीपावली भी है साथ ही विधानसभा चुनाव का समय भी चल रहा है इस वजह से भी कुसमी में लोगो की काफी भीड़ नजर आई ,वही दीपावली पर्व की खरीदारी करने के लिय गांव गांव की जनता और शहर की जनता मिलकर अपने जरूरत की समान के साथ त्यौहार का भी समान की खुब खरीदारी की है,

88 वर्ष के श्री ठण्डीराम मित्तल और 85 वर्ष की श्रीमती इंद्रासो राजवाड़े ने लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए दिया अपना योगदान

» होम वोटिंग कर अपने अनुभव को किया साझा

- संवाददाता -
सूरजपुर, 11 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

88 वर्ष के श्री ठण्डीराम मित्तल डाक मतपत्र द्वारा मतदान के पूर्व काफी उत्साहित नजर आये। होम वोटिंग के लिए मतदान दल जैसे ही नगर पालिका परिषद के पास स्थित उनके घर पहुंचा, तो उनके घर के सदस्यों ने मतदान दल का स्वागत किया और अपने परिवार के मुखिया श्री ठण्डीराम मित्तल को इसकी सूचना दी। श्री ठण्डीराम मित्तल आज अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए सुबह से ही इंतजार कर रहे थे और इसके लिए उत्साहित भी थे। जैसे ही मतदल उनके घर पहुंचा दल द्वारा तुरंत विधिवत कागजी कार्रवाई करते हुए श्री ठण्डीराम मित्तल से डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान कराया गया। अपने मतदान पर प्रतिक्रिया करते हुए श्री ठण्डीराम मित्तल ने बताया कि उनका ये अनुभव बहुत ही यादगार अनुभव है। उन्हें ऐसा प्रतीत हुआ जैसे उन्होंने अपने प्रथम मतदान मे अनुभव किया था। उन्होंने सूरजपुर जिले के अन्य नागरिकों से भी अपील की कि द्वितीय चरण 17 नवंबर को होने वाले मतदान तिथि में सभी अपनी सहभागिता दें।

इसके साथ ही बड़का पारा मे रहने वाली 85 वर्ष की श्रीमती इंद्रासो राजवाड़े के घर भी मतदान दल पहुंचा था। जहाँ श्रीमती इंद्रासो राजवाड़े का पूरा परिवार मतदान दल की प्रतिक्षा कर रहा था। यहां भी मतदान दल ने अपना सेटअप तुरंत स्थापित कर डाक मत पत्र के माध्यम से श्रीमती इंद्रासो राजवाड़े का मतदान करवाया। श्रीमती इंद्रासो राजवाड़े ने बताया कि आज का दिन उनके लिये त्यौहार के जैसा था। आज अपने मताधिकार का उपयोग कर उन्होंने अपने भारतीय नागरिक होने का परिचय दिया है और उनकी यही उम्मीद अन्य से भी है।

आज तीनों विधानसभा प्रेमनगर(04), भटगांव(05) व प्रतापपुर(06) मे 80 प्लस आयु वर्ग और दिव्यांगजन (निर्दिष्ट अशक्तता 40 प्रतिशत से कम नहीं) के अंतर्गत 44 मतदाताओं द्वारा डाक मतपत्र के माध्यम से अपने मताधिकार का उपयोग किया गया।

कांग्रेस जैसी भूखी-भ्रष्ट सरकार देश के राजनीतिक इतिहास में कभी नहीं देखी : राजनाथ सिंह

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 11 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दावा किया है कि छत्तीसगढ़ में 7 नवंबर को पहले चरण का मतदान सम्पन्न हुआ है और सभी सर्वेक्षण एजेंसियां यह दावा कर रही हैं कि पहले चरण के मतदान में सबसे आगे भारतीय जनता पार्टी है। यह अच्छी शुरुआत है और सभी मतदान के दूसरे चरण में इस शुरुआत को एक ऐतिहासिक परिणाम में बदलने का संकल्प लेना है। सिंह ने कहा कि कांग्रेस सरकार और भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री बनने के बाद छत्तीसगढ़ में क्या हो रहा है? %तीस टक्का भूपेश कक्का% के राज में 30 टक्का तो सीधे-सीदे %ऊपर% जा रहा है, और नीचे जिसको जहां जितना मिलता है, वह केवल खाता है। ऐसी भूखी-भ्रष्ट सरकार देश के राजनीतिक इतिहास में कभी नहीं देखी गई। इसे उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। रक्षा मंत्री श्री सिंह ने सिंह ने शनिवार को सरगुजा संभाग के सीतापुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की विजय संकल्प महारैली को संबोधित करते हुए कहा कि पाँच सालों से महादेव एप के जरिए सट्टा का धंधा चल रहा है। लगता है, महादेव जी ने तय कर लिया है कि इस भ्रष्ट सरकार को यहाँ से जाना चाहिए और भारतीय जनता पार्टी की साफ-सुथरी सरकार आनी चाहिए। यहाँ जो घोटाले हुए हैं, उसकी जाँच हो रही है। कुछ दिनों में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। चाहे छत्तीसगढ़ का भ्रष्टाचारी हो, चाहे देश में कहीं का भी भ्रष्टाचारी हो, आरोप सिद्ध होने पर भाजपा की सरकार उसे माफ नहीं करेगी, उसे जेल की सलाखों के पीछे डाला जाएगा। श्री सिंह ने कहा कि 25 साल पहले पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया था। छत्तीसगढ़ आदिवासी बहुल क्षेत्र है। 15 वर्षों तक यहाँ भाजपा की सरकार रही है। डॉ. रमन सिंह ने मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया है। लेकिन 2018 में कांग्रेस की सरकार आई और उसके बाद प्रदेश की जनता ने देखा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई। अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। अनेक गरीब परिवार की बेटियाँ गायब हो गई। श्री सिंह ने कहा कि ऐसे अनेक मुद्दे हैं, जिनके मद्देनजर छत्तीसगढ़ की सत्ता से कांग्रेस को खदेड़ देने की जरूरत है। मानव तस्करी के साथ-साथ नशे का कारोबार भी यहाँ तेजी से बढ़ा है। आम छत्तीसगढिया आज हर तरफ खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। रक्षा मंत्री सिंह ने छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार की वादाखिलाफी पर हमला बोलते हुए कहा कि नक्सलवाद पर भाजपा सरकार ने काफी नियंत्रण पाया था, पर कांग्रेस के राज में नक्सलवाद फिर बढ़ा है। भाजपा की सरकार बनने के बाद तीन-चार वर्षों के भीतर नक्सलवाद को खत्म कर दिया जाएगा। श्री सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण हो रहा है। प्रलोभन देकर किसी का जबरिया धर्मांतरण क्यों किया जाना चाहिए? भाजपा की सरकार धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए प्रावधान करेगी। श्री सिंह ने कहा कि धान खरीदी को लेकर प्रदेश की कांग्रेस सरकार मिथ्या प्रलाप करके प्रदेश को गुमराह करने में लगी है। भाजपा की सरकार अब 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर किसानों का प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदेगी। भाजपा सरकार बनने के छह माह के भीतर छत्तीसगढ़ के सभी किसानों के खाते बैंकों में खुलवाए जाएंगे। कांग्रेस की सरकार ने प्रदेश पर कर्ज का बोझ लाद दिया है। भाजपा की सरकार इस कर्ज के बोझ से भी मुक्ति दिलाएगी। इससे पहले सभा को सीतापुर क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रामकुमार टोप्पो सहित भाजपा नेताओं ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय मंत्री व राँची की पूर्व महापौर डॉ. आशा लकड़ा, झारखंड के विधायक अनंत ओझा, ललन प्रताप सिंह जिलाध्यक्ष भाजपा, पूर्व सांसद कमल भान सिंह, अखिलेश सोनी, भारत सिंह सिसोदिया, अभिमन्यु गुप्ता, देवनाथ पैकरा, प्रभात खलखो, अनिल निराला, अरुणा सिंह इत्यादि उपस्थित थे।

18 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 11 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

दरिमा पुलिस ने 18 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी बिक्री करने के लिए शराब को धान खेत में छुपाकर रखा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

दरिमा थाना प्रभारी एसआई रूपेश नारंग को मुखबिर से जानकारी मिली की ग्राम जमगवा निवासी एक व्यक्ति काफी दिनों से अंग्रेजी शराब बिक्री कर रहा है। मुखिबिर की सूचना पर पुलिस ने उसके घर में दबिश दी तो शराब नहीं मिला। संदेह होने पर पुलिस ने घर के पास धान के खेत में तलाशी की तो छुपाकर रखे गए 18 लीटर अग्रेजी शराब पाया गया। जिसकी कीमत 12 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने उक्त शराब को जब्त कर आरोपी पुरषोत्तम चौहान पिता तेजराम चौहान उम्र 32 वर्ष निवासी जमगवा थाना दरिमा को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

टिकट मिलने से पहले जिस कांग्रेस प्रत्याशी को कमजोर माना जा रहा था

वह भाजपा प्रत्याशी को दे रही है कड़ी टक्कर

कुछ भाजपा नेता कांग्रेस के साथ हुए अंदरूनी रूप से हुए एक साथ,कर सकते हैं अपनी पार्टी को ही नुकसान:सूत्र

भाजपा जिस प्रत्याशी को बैकुंठपुर विधानसभा में सबसे मज़बूत मान रही थी..आज वही भाजपा प्रत्याशी कांग्रेस के कमजोर प्रत्याशी के सामने बराबरी पर खड़ी हैं

कांग्रेस प्रचार अभियान में निकली आगे बीजेपी हुई पीछे, भाजपा में बड़े पदाधिकारी निचले स्तर के कार्यकर्ताओं को कर रहे नाराज

क्या चुनाव प्रचार में पिछड़े भाजपा प्रत्याशी निकाल पाएंगे यह चुनाव,आगे क्या सुनिश्चित कर पाएंगे अपनी जीत?

भाजपा अपने घोषणा पत्र के 178 महत्वपूर्ण बिंदुओं को लोगों तक पहुंचा पाने में दिख रही है असमर्थ,वही कांग्रेस की सिर्फ एक ही घोषणा कर्ज माफी कांग्रेस को कर रही मजबूत

बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस बीजेपी के बीच कड़ी टक्कर

भाजपा नेता हाट बाजारों में भाषण तक सीमित,कांग्रेस कार्यकर्ता डोर टू डोर कर रहे प्रचार

भाजपा कार्यकर्ता मान चुके हो गई है उनकी जीत,मेहनत की नहीं उन्हे जरूरत,चाय पर केवल हो रही उनकी चर्चा लीड कितने की होगी लगा रहे आपस में दाव

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी भी हुई इस चुनाव में कमजोर,गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का परंपरागत वोट अब जा सकता है कांग्रेस के खाते में...

कुल मिलाकर अब चुनाव कांग्रेस के लिए दिखने लगा आसान, कार्यकर्ताओं की मेहनत लाई रंग...

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 11 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

बैकुंठपुर विधानसभा में जब प्रत्याशियों के चयन को लेकर जद्दोजहद हो रही थी उस समय कांग्रेस के वर्तमान विधायक को बतौर कांग्रेस प्रत्याशी कमजोर माना जा रहा था भाजपा के भईयालाल राजवाड़े की अपेक्षा,और टिकट काटने की मांग की जा रही थी पर ऐसा हुआ नहीं कांग्रेस ने उन्हें ही दोबारा मौका दिया और जिन्हें कम आंका जा रहा था सर्वे में कांग्रेस के ही जिन्हे हारा हुआ माना जा रहा था वह इस समय भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के समाने बराबरी पर आ खड़ी हैं या यह कहें आगे निकल चुकी हैं तो अतिश्योक्ति नहीं होगी,क्योंकि यही वर्तमान माहौल है और सीधे तौर पर कड़ी टक्कर देखी जा रही है, अब एक तरफा कुछ नहीं रह गया यह कहना गलत बिलकुल नहीं है, कहीं ना कहीं भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी ही कांग्रेस के प्रत्याशी से एक पायदान नीचे हैं वह भी चुनाव प्रचार में और योजना व अपने आगामी घोषणा पत्र लोगों तक पहुंचा पाने में, वहीं कांग्रेस प्रत्याशी के लिए सिर्फ उनके पार्टी का कर्ज माफी की घोषणा ही उन्हें मजबूत बना रही है, वहीं चुनाव प्रचार भी उनके पार्टी का धुआंधार हो रहा है प्रचार करने वाले कांग्रेसी अपने प्रत्याशी को प्रचार में आगे रखे हुए हैं, वैसे इस बार प्रचार की दृष्टि से देखा जाए तो

प्रचार का पैटर्न भी चेंज हो चुका है, प्रचार उस तरह से नहीं हो रहा है जैसा पहले के चुनाव में देखा जाता था इस बार प्रत्याशियों के वॉल पेंटिंग बिल्कुल भी कहीं देखने को नहीं मिल रही है, वही झंडी पतंगे भी उस कदर नहीं लग रहे जैसे पहले लगाए जाते थे फिर भी यदि चुनाव की दृष्टिकोण से देखा जाए तो भारतीय जनता पार्टी प्रचार में बैकुंठपुर विधानसभा में पिछड़ी नजर आ रही है और झंडा बैनर में भी कांग्रेस आगे दिख रही है यहां तक की सोशल मीडिया पर भी प्रचार करने में भाजपा पीछे है और कांग्रेस कहीं आगे है।

भाजपा के साथ सबसे बड़ी दिक्कत जो नजर आ रही है वह यह की जिन्हे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली हुई है वह अपनी बड़ी गाड़ियों से उतरना नहीं चाहते उन्हे अतिआत्मविश्वास हो चुका है की वह जीत चुके हैं, वहीं उनकी गाड़ियों में भी उनके अलावा वह किसी को बैठाना पसंद नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्हे किसी के बैठने से भी अपने कद को छोटा करना जैसा आभास हो रहा है। भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता जहां चिंतित हैं अपने स्तर पर बिना संसाधन जो कर पा रहे हैं वह कर रहे हैं वहीं जिन्हे बड़ी गाड़ियों की जिम्मेदारी मिली है या जो भाजपा प्रत्याशी के कार्यकाल में मलाई खाने वाले थे वह ख्यालों में जीत मान चुके हैं और शर्त लगाकर अब लीड कितने की होगी यही करते नजर आ रहे हैं। कोई बड़ा भाजपाई दिल से काम करता नजर नहीं आ रहा है जो इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के लिए मुश्किल वाला मामला है। देखा जाए तो भाजपा और जीत का फासला दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है और कांग्रेस जीत के मुहाने के पास पहुंचती नजर आ रही है।

बैकुंठपुर में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी हुई कमजोर,अपने परंपरागत मतदाताओं को भूलकर वह शहरी क्षेत्र के मतदाताओं को रिझाने में समय कर रही बर्बाद

बैकुंठपुर विधानसभा में इस चुनाव में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का प्रदर्शन पहले से खराब होने का पूरा अनुमान है। जहां जहां से गोंडवाना गणतंत्र पार्टी बढ़त बनाती थी वहां इस बार कांग्रेस बढ़त बनाएगी यह तय माना जा रहा है,कुल मिलाकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का मत कांग्रेस खेमे में जा रहा है,इसकी मुख्य वजह यह मानी जा रही है की गोंडवाना गणतंत्र पार्टी इस बार अपने परंपरागत मतदाताओं से अलग हटकर शहरी क्षेत्र के मतदाताओं को रिझाने में लगी हुई है जिसके कारण उसके अपने मतदाता उससे दूर होते जा रहे हैं। अब इसका फायदा कांग्रेस को होने जा रहा है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से जुड़े कुछ नए नेता एक तरह से कांग्रेस के पक्ष में यह एक रणनीति के तहत कर रहे हैं जिससे गोंडवाना गणतंत्र पार्टी अपने मूल मतदाताओं से दूर हो जाए और उसका सीधा फायदा कांग्रेस को मिल जाए।

कांग्रेस का प्रचार अभियान तेजी से गति पकड़ता हुआ,भाजपा पिछड़ी प्रचार प्रसार में

बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस प्रचार प्रसार में भाजपा से आगे निकल चुकी है। भाजपा जहां अपने कार्यकर्ताओं को सही दिशा निर्देश नहीं दे पा रही है वहीं वह और उसके कार्यकर्ता जहां विरोधी लहर के भरोसे आराम फरमा रहे हैं चाय पर ही जीत हार की समीक्षा कर घर लौट जा रहे हैं वहीं कांग्रेस कार्यकर्ता जो भले ही सीमित हों घर घर दस्तक दे रहे हैं और पार्टी की घोषणा से लोगों को अवगत करा रहे हैं, भाजपा का झंडा बैनर भी लगभग गायब है क्षेत्र में, भाजपा कुल मिलाकर काफी पिछड़ चुकीं है प्रचार में। भाजपा के घोषणा पत्र को लेकर भी भाजपा कार्यकर्ता सहित पार्टी के बड़े नेता निष्क्रिय हैं सोशल मिडिया में भी कांग्रेस ही आगे है प्रचार में। कांग्रेस जहां शुरू में काफी पीछे नजर आ रही थी अब वह आगे है भाजपा से यह कहना गलत नहीं होगा। भाजपा में कार्यकर्ता चुनाव जीत चुके हैं यह मानकर निश्चिंत नजर आ रहे हैं वहीं कांग्रेस खुद को पिछड़ता मानकर काम कर रही है इस तरह वह कछुए की चाल से अब खरगोश भाजपा को मात देने की स्थिति में आ पहुंची है। भाजपा का डोर टू डोर प्रचार अभियान काफी पिछड़ गया जिसमे कांग्रेस बाजी मार ले गई है। भाजपा नेतृत्व और कार्यकर्ता केवल हाट बाजारों के भाषणों से ही जीत की उम्मीद में हैं और वहीं कांग्रेस घर घर जाकर अपनी जीत सुनिश्चित करने में लगी हुई है। अब परिणाम जो भी आए चुनाव का फिलहाल कांग्रेस अब भाजपा से काफी आगे निकल चुकी है प्रचार अभियान में वहीं भाजपा कार्यकर्ताओं की गाड़ी घूमकर लौट रही है संपर्क कर घोषणाओं को जनता को बताने में झंडा बैनर लगाने में भाजपा कार्यकर्ताओं का कोई भी रुख सकारात्मक नजर नहीं आ रहा है। भाजपा चुनाव जीत चुकी है मानकर बैठ चुकी है यही आज की बैकुंठपुर विधानसभा की भाजपा कार्यकर्ताओं की स्थिति है।

भाजपा के एक मंडल अध्यक्ष अपनी गाड़ी में दूसरे का बैठना भी पसंद नहीं करते है

भाजपा के एक मंडल अध्यक्ष के बारे में तो यह भी भाजपा कार्यकर्ता कह रहे हैं की उन्हे अपनी गाड़ी में दूसरे का बैठना भी पसंद नहीं है वह अकेले चुनाव जितवाकर खुद सर्वे सर्वा होंगे यह उन्होंने तय कर लिया है। उनके बारे में यह भी बताया जा रहा है की जहां लोगों के बीच बैठकर उन्हे स्थिति का आंकलन करने की जरूरत होनी चाहिए वह बैठे लोगों से दूर गाड़ी से ही आंकलन कर रहे हैं। वैसे एक भाजपा कार्यकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया की वह मंडल अध्यक्ष हेलीकॉप्टर के लायक थे, जमीन पर उनका पैर टिक नहीं रहा है इसलिए उन्हे हेलीकॉप्टर देने की जरूरत थी वह हवाई सर्वे से और कारगर प्रचार कर पाते।मंडल अध्यक्ष को लेकर यह भी बात सामने आई है की उन्हे वरिष्ठ पुराने कार्यकर्ता का सम्मान करना भी नहीं आ रहा है,वह अकड़ में एक तरह से भाजपा प्रत्याशी को निपटाने में लगे हुए हैं जबकि उनका प्रयास प्रत्याशी को जीत दिलाना है। वैसे वह जिलाध्यक्ष के खास हैं इसलिए सभी कार्यकर्ता मौन हैं और अब कार्यकर्ता भी विपरीत मतदान का मन बना रहे हैं जैसा सुनने में आ रहा है क्योंकि मंडल अध्यक्ष की मनमानी और उनकी हवाई यात्रा कार्यकर्ताओं को पसंद नहीं आ रही है।

भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं की अनदेखी भी जा रही देखी,संसाधन भी देने में उनके साथ किया जा रहा भेदभाव

भाजपा का बैकुंठपुर विधानसभा का चुनाव संचालन भगवान भरोसे वाला मामला कहें या यह कहें कुछ सीमित निर्णय लेने वालो के भरोसे संचालित है,संसाधन मामले में भाजपा यह भी परहेज कर रही है की पुराने कार्यकर्ताओं को बिलकुल भी संसाधन उपलब्ध न कराया जाए वहीं दिया भी जाए तो इस तरह दिया जाए की उनके मान सम्मान को ठेंस पहुंचे और वह खुद ही संसाधन लेने से इंकार कर दें और पार्टी के काम से किनारे हो जाएं। संचालन में यह देखा जा रहा है की कोई बैठक एक साथ नहीं की जा रही है समीक्षा नहीं हो रही है,बस खुद को सबसे ज्यादा मेहनती बताने के चक्कर में सभी एक दूसरे कार्यकर्ता की छुट्टी करने में लगे हुए हैं जिससे प्रत्याशी की जीत का सेहरा उनके माथे सजाया जाए अन्य को विभीषण माना जाए।

जिलाध्यक्ष भाजपा प्रत्याशी के साथ हर जगह अपनी तस्वीर छपवाकर मान चुके हैं प्रत्याशी की जीत,कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करने में उनकी रुचि नहीं

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रत्याशी के साथ हर बैनर पोस्टर में अपनी तस्वीर जरूर छपवा रहे हैं,उन्हे तस्वीर छपवाकर ही जीत का विश्वास है। वहीं कार्यकर्ताओं को रिचार्ज करने की ज़रूरत वह बिलकुल नहीं समझ रहे हैं। वहीं कांग्रेस के प्रचार अभियान में जिलाध्यक्ष की तस्वीर कहीं नहीं है प्रत्याशी के साथ और इसके पीछे की वजह यह मानी जा रही है की एक की तस्वीर लगाने से अन्य वरिष्ठ नाराज होंगे जिससे पार्टी बचना चाह रही है वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष अपनी तस्वीर प्रत्याशी के साथ लगवाकर खुद के सहारे जीत मिली जीत मिलने की स्थिति में इस प्रयास में लगे हुए हैं।

पुराने कार्यकर्ताओं का कहना है भाजपा प्रत्याशी फिर कर रहे पुरानी भूल,फिर घिर चुके उन्हीं से जिनके कारण पिछला परिणाम आया था विपरीत

भाजपा के पुराने कार्यकर्ता अब यह भी कहते सुने जा रहे हैं की भाजपा प्रत्याशी अति आत्मविश्वास में आ चुके हैं और यह आत्मविश्वास उन्हे वह लोग दे रहे हैं जिनके कारण वह पिछला परिणाम विपरीत देख चुके हैं। कुल मिलाकर अब भाजपा प्रत्यासी कुछ के चंगुल में फंस चुके हैं आम कार्यकर्ता का फिर आगे पहले जैसा हाल होगा यह कार्यकर्ता मानकर चल रहे हैं।

पुराने कार्यकर्ताओं धोखा नहीं देंगे यह भी सुनाई दे रहा

पुराने कार्यकर्ता धोखा नहीं देंगे भाजपा प्रत्याशी को यह वह ठान चुके हैं,वहीं अब वह खुद से जितना संभव हो सकेगा काम करेंगे प्रत्याशी के लिए यह उनका रुख सुनने में आ रहा है। माना जा रहा है की वह संसाधन का न इंतजार करेंगे न लेंगे वह ऐसे ही प्रचार में लगे रहेंगे।

इस चुनाव बैकुण्ठपुर विधानसभा में जिला विभाजन और सड़क चैड़ीकरण का मुद्दा कितना प्रभाव डालेगा?

जिला विभाजन और सड़क चैड़ीकरण को ले कर दिख रही लोगो में नाराजगी पर नाराजगी कितना डालेगी परिणाम पर फर्क ?

क्या इस मुद्दे पर शहर में पीछे हो सकती हैं अंबिका सिंहदेव?

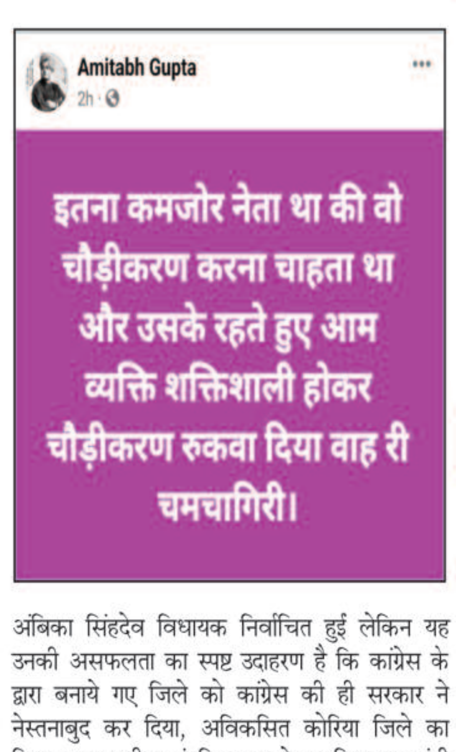

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 11 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव हेतु अब प्रत्याशियों सहित राजनैतिक दल के कार्यकर्ताओं ने भी प्रचार अभियान तेज कर दिया है,गांव से लेकर शहर तक मतदाताओं से मिलकर वोट मांगा जा रहा है इसी क्रम में यदि बात बैकुंठपुर शहर की तरफ की जाए तो देखने में स्पष्ट प्रतीत हो रहा है कि इस बार कांग्रेस प्रत्याशी यहां से पीछे हो सकती हैं, बैकुंठपुर शहर में अंबिका सिंहदेव के खिलाफ चल रही हवा इस बात का साफ संकेत है। कोरिया जिले का विभाजन और सड़क चैड़ीकरण लोगो की जुबान पर है, इसे लेकर शहर के नागरिक स्थानीय विधायक अंबिका सिंहदेव को जिम्मेदार मानते हैं।

जिले का असंतुलित विभाजन,मुख्य मुद्दा- कोरिया जिले का गठन 25 मई 1998 को हुआ था और इसके निर्माता के रूप में पूर्व वित्त मंत्री स्व.डॉ. रामचंद्र सिंहदेव कोरिया कुमार की पहचान है। मनेंद्रगढ जिले की मांग भी वर्षो पुरानी थी लेकिन यह सर्वविदित है कि कोरिया कुमार के ना चाहने के कारण ही मनेंद्रगढ को जिला नही बनाया जा रहा था। पिछ्ले चुनाव के पहले कोरिया कुमार का निधन हुआ और सहानुभूति की लहर पैदा कर अंबिका सिंहदेव विधायक निर्वाचित हुई लेकिन यह उनकी असफलता का स्पष्ट उदाहरण है कि कांग्रेस के द्वारा बनाये गए जिले को कांग्रेस की ही सरकार ने नेस्तनाबुद कर दिया, अविकसित कोरिया जिले का विभाजन वह भी असंतुलित रूप से कर दिया गया लंबी लड़ाई के बाद भी कोई निष्कर्ष नही निकला जिससे कि आज कोरिया का प्रत्येक नागरिक आक्रोशित है और इसके लिए अंबिका सिंहदेव का व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार मानता है। लोगो का कहना है कि जिले के असंतुलित विभाजन होने के बाद भी अंबिका सिंहदेव ने विरोध नही किया यहां तक कि उनके द्वारा विधायक विनय जायसवाल को लडडू खिलाया जा रहा था। विधायक अंबिका सिंहदेव एमसीबी जिले के उद्घाटन समारोह में भी शामिल हुई और मनेंद्रगढ का नाम अपने पिता के नाम पर होने का गर्व महसूस करने की बात भी कहा गया यह सब लोगो के मन में है और इसका असर चुनाव पर पड़ेगा। हलांकि कोरिया को बर्बाद करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत को भी जिम्मेदार माना जाता है। स्थानीय जनो का कहना है कि विभाजन किया गया कोई बात नही लेकिन विभाजन असंतुलित नही होना था। कोरिया जिले का असंतुलित विभाजन भी चुनाव में मुख्य मुद्दा है।

कई युवा कार्यकर्ता हुए निष्क्रिय,पड़ेगा असर

कांग्रेस में युवा कार्यकर्ताओं की फौज है,पिछले विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओ ने मन लगाकर काम भी किया था जिसका असर परिणाम मे देखने में मिला था, लेकिन इस बार स्थिति एकदम अलग है। गिनती के कार्यकर्ता और समर्थक विधायक अंबिका सिंहदेव के लिए काम कर रहे हैं, एक बड़ा वर्ग निष्क्रिय है और चुनाव से दूरी बनाकर चल रहा है, वरिष्ठ नेताओं के आगमन पर कार्यकर्ता चेहरा दिखाने जरूर पहुंचे जाते है। कार्यकर्ताओ के निष्क्रिय रहने का असर जरूर पड़ेगा।

चैड़ीकरण में बाधा उत्पन्न कर शहर को किया बर्बाद

कोरिया जिले का मुख्यालय बैकुंठपुर आज सुविधाओं के लिए तरस रहा है,इस शहर में सड़क चैड़ीकरण एक अबूझ पहेली बनकर रह गई है,प्रशासन भी इस मामले में गंभीर नही है,बीच-बीच में इस दिशा में काम भी शुरू किया गया लेकिन स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है। सड़क चैड़ीकरण ना होने के कारण लोग दोपहिया एवं चारपहिया वाहन लेकर गुजरने में परेशानी महसूस करते हैं। आए दिन जाम की स्थिति निर्मित होती है। कई दुकानदारों द्वारा अपना सामान दुकान के बाहर निकालकर रखा जाता है जिससे परेशानी और बढ जाती है। बीच में विधायक अंबिका सिंहदेव ने भी इस मामले पर रूचि लिया था लेकिन तथाकथित व्यापार संघ के अध्यक्ष के बहकावे मे आकर वह भी चुप हो गई। विधायक समर्थक चंगु मंगू कार्यकर्ता भी आए दिन चैड़ीकरण का ढिंढोरा पीट रहे थे लेकिन चुनाव के वक्त सोशल मीडिया में उठ रहे मामले पर उनकी चुप्पी है। बतलाया जाता है कि व्यापार संघ के अध्यक्ष द्वारा खुद के स्वार्थ में ऐसी भूमिका अधिकारियों एवं विधायक के समक्ष बनाई गई जिससे वे दिग्भ्रमित हो गए और एक बार फिर सड़क चैड़ीकरण का कार्य ठप्प हो गया।

आम नागरिक से लेकर व्यापारी भी हैं आक्रोशित

सड़क चैड़ीकरण स्वार्थ सिद्वी के कारण नही हो सका,इससे अब आम नागरिक एवं अनेक व्यापारी भी नाराज हैं,व्यापारियों की हालत ऐसी हो गई है कि दुकान के सामने जगह ना होने कारण कोई चारपहिया सवार परिवार लेकर उनके दुकान तक नही आना चाहता,मुख्य चैक के आसपास पार्किंग की व्यवस्था भी नही है, नागरिकों के साथ व्यापारियो का एक बहुत बड़ा वर्ग इससे आक्रोशित है। व्यापारी वर्ग विधायक से दूरी बनाकर रखा हुआ है।

वार्डो में अंबिका सिंहदेव को लेकर दिख रही नाराजगी

बैकुंठपुर नगरपालिका में कुल 20 वार्ड हैं उनमें से अधिकांश वार्डो में कांग्रेस समर्थित पार्षद हैं, जो कि अपने बलबूते पार्षद का चुनाव जीते थे। नगरपालिका अध्यक्ष के चुनाव में भी विधायक अंबिका सिंहदेव की काफी किरकिरी हुई थी। वार्डवासियों ने आज तक विधायक अंबिका सिंहदेव से सीधा संवाद नही किया है, शहर विकास में भी उनकी भूमिका नगण्य है। 20 वार्डो में से लगभग 17 वार्डो में उनकी स्थिति एकदम नाजुक है, खुद के गृह वार्ड महलपारा से भी वे पीछे रह सकती हैं।

छजगा से कांग्रेस में वापसी करने वाले दानिश रफीक को मिली बैकुंठपुर विधानसभा की जिम्मेदारी बनाए गए प्रभारी

अब पूर्ण रूप से दानिश रफीक संभालेंगे बैकुंठपुर विधायक को जीत दिलाने की कमान...

दानिश रफीक का बैकुंठपुर विधानसभा में पहले से ही था हस्तक्षेप लेकिन था पर्दे के पीछे से,अब खुल के दिखेंगे सामने घटती घटना ने भी जताया था पहले अंदेशा

दानिश के कंधे पर मुस्लिम वोट को साधने सहित विधायक को जिताने की जिम्मेदारी...

दानिश के चाहने वाले बैकुंठपुर के पटना क्षेत्र में ज्यादा...

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 11 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

आखिरकार बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने कांग्रेस पार्टी ने अपना आखिरी पत्ता खोल दिया है जो पत्ता दानिश रफीक के नाम का पत्ता है, दैनिक घटती-घटना ने पहले ही संभावना जताई थी की बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी की टिकट मिलने से लेकर उनकी जीत सुनिश्चित करने तक की जिम्मेदारी दानिश रफीक ही सम्हालेंगे जो होता नज़र आ रहा है और छजगा से हाल ही में कांग्रेस में वापसी किए दानिश रफीक को बैकुंठपुर विधानसभा की जिम्मेदारी दे दी गई। दानिश रफीक अब बैकुंठपुर विधायक साथ ही कांग्रेस प्रत्याशी की जीत की कमान सम्हालेंगें। इसके पीछे की वजह भी यह मानी जा रही है की छजगा से कांग्रेस में शामिल हुए लोग जो आज बैकुंठपुर विधायक साथ ही प्रत्याशी के सबसे खास हैं वह ऐसा चाहते थे क्योंकि उन्हें अपने नेतृत्व के रूप में छजगा से ही कोई नेतृत्व चाहिए था इसलिए उन्हे यहां की जिम्मेदारी दी गई। बैकुंठपुर के कांग्रेस पदाधिकारियों सहित पार्टी कार्यकर्ताओं पर विधायक प्रत्याशी साथ ही छजगा से कांग्रेस में बैकुंठपुर में शामिल हुए लोग विश्वास नहीं कर पा रहे हैं इसलिए उनकी मांग थी जिसके कारण ऐसा हुआ और दानिश रफीक अब यहां मुख्य भूमिका में होंगे।

बता दें की कांग्रेस ने पहले ही यह बैकुंठपुर विधानसभा में साबित कर दिया है की उन्हे अपने पुराने वरिष्ठ कांग्रेसियों पर विश्वास नहीं है कार्यकर्ताओं पर उसे विश्वास नहीं है जिसके कारण तीन बड़े नेताओं को कांग्रेस ने विधानसभा से बाहर का रास्ता दिखा दिया। बैकुंठपुर से बड़े नेताओं को कांग्रेस ने विधायक की मांग पर बाहर भेजा यह भी माना जा रहा है क्योंकि प्रत्याशी की मांग पर ही राजनीतिक दल ऐसे निर्णय लेते हैं। अब देखना है की दानिश रफीक जो अंबिकापुर के रहने वाले हैं वह कांग्रेस के लिए कितना फायदेमंद साबित होते हैं। वैसे बैकुंठपुर विधानसभा में मुस्लिम मतदाताओं को लेकर कांग्रेस गंभीर नजर आ रही है और यह भी एक वजह है की दानिश रफीक हो बैकुंठपुर की जिम्मेदारी दी गई है जिससे वह मुस्लिम मतदाताओं को साधने में सफल हो सकें यही रणनीति कांग्रेस की है।

दानिश रफीक पहले से ही बैकुंठपुर विधानसभा में रख रहे थे दखल,अब वह पर्दे के पीछे से बाहर निकलकर सम्हालने वाले हैं जिम्मेदारी

दानिश रफीक पहले से ही पर्दे के पीछे से बैकुंठपुर विधानसभा में दखल रख रहे थे,वह वर्तमान विधायक की टिकट मिलने से लेकर उनकी जीत की जिम्मेदारी पहले ही ले चुके थे लेकिन कांग्रेस उन्हे उचित समय पर पर्दे से बाहर निकालने वाली थी वैसा देखने को भी मिला। दानिश रफीक को एकाएक जिम्मेदारी दी गई ऐसा कहना गलत होगा वह पर्दे के पीछे से लगे हुए थे आकार बैठकें कर रहे थे जो सुनने को मिल रहा था। अब कांग्रेस ने जब बैकुंठपुर विधानसभा के वरिष्ठ कांग्रेसियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया उन्होंने दानिश रफीक को बैकुंठपुर में आगे कर दिया और पर्दे से बाहर कर दिया। दानिश रफीक कांग्रेस प्रत्याशी के लिए अब मुस्लिम मतदाताओं को साधने वाले हैं यह माना जा रहा है।

पटना बैकुंठपुर क्षेत्र में दानिश रफीक के सबसे ज्यादा चाहने वाले, छजगा से कांग्रेस में शामिल होने वाले लोगों की मांग भी थी दानिश रफीक को मिले जिम्मेदारी

जैसा की सूत्रों का कहना है की दानिश रफीक को चाहने वाले सबसे ज्यादा पटना और बैकुंठपुर क्षेत्र में हैं और उनकी मांग थी कि दानिश रफीक को विधानसभा की जिम्मेदारी मिले और वैसा हुआ भी...सबसे ज्यादा मांग छजगा से कांग्रेस में शामिल होने वालों की थी क्योंकि वह खुद छजगा से कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

मुस्लिम मतदाताओं को कांग्रेस के पक्ष में करके कांग्रेस प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने की मिली है दानिश रफीक को जिम्मेदारी

दानिश रफीक को बैकुंठपुर विधानसभा की जिम्मेदारी इसलिए भी मिली है क्योंकि कहीं न कहीं बैकुंठपुर क्षेत्र के मुस्लिम मतदाता वर्तमान विधायक से नाराज चल रहे थे वहीं विधायक की वर्तमान प्रत्याशी हैं। कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में मुस्लिम मतदाताओं को साधने की उन्हे जिम्मेदारी मिली है ऐसा सूत्रों का कहना है और मुस्लिम मतदाताओं को भविष्य के लिए विश्वास में लेना है यह भी सूत्रों का कहना है।

घटती-घटना की खबर पर एक बार और लगी मुहर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी
विधानसभा चुनाव – 2023

विधानसभा में क्या मुस्लिम मतदाताओं पर ज्यादा ध्यान देने की कोशिश कर रही कांग्रेस और कांग्रेस प्रत्याशी ?

क्या अन्य समुदाय से कम समर्थन मिलने का संकेत?- बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस पार्टी द्वारा अंबिकापुर के दानिश रफीक को कांग्रेस प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।कांग्रेस मुस्लिम मतदाताओं को लेकर कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहती यह इसकी वजह मानी जा रही है,मुस्लिम मतदाता कुछ प्रतिशत भाजपा के पक्ष में जाने की उम्मीद है जो भी एक वजह है की दानिश रफीक को बैकुंठपुर की जिम्मेदारी दी गई है। माना जा रहा है कांग्रेस मुस्लिम मतदाताओं को लेकर ज्यादा गंभीर है यह भी दानिश रफीक की नियुक्ति मामले में माना जा रहा है।क्या गैर मुस्लिम समुदाय से कांग्रेस को कम समर्थन मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है दानिश रफीक की नियुक्ति के बाद यह भी सवाल उठ रहा है। वैसे कुछ भी हो को आंशका घटती घटना में पहले ही जाहिर की थी की बैकुंठपुर विधायक के सारथी विश्वासपात्र इस चुनाव में दानिश रफीक होंगे वही उनके लिए अग्रणी भूमिका में चुनाव संचालन करेंगे वह बात सच साबित हुई जो नियुक्ति के बाद समझा जा सकता है। बैकुंठपुर के कांग्रेसियों पर इसे प्रत्याशी के अविश्वास से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

चिरमिरी में कांग्रेस का भगदड़ सा माहौल,कांग्रेस पार्षदों में भारी असंतोष,हरिराम नाई भी हुआ पूरी तरह से निष्क्रिय

विधायक और महापौर नहीं दिख रहे हैं चुनाव प्रचार में उनके कट्टर समर्थक कुछ तो बीजेपी प्रवेश कर लिए और कुछ बैक डोर से भाजपा के लिए कर रहे काम

कांग्रेस प्रत्याशी और उनके समर्थकों का उत्साह सातवें आसमान पर...जीत के लिए पूर्णतःआश्वस्त

-रवि सिंह-
मनेन्द्रगढ़ 11 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

मनेन्द्रगढ़ विधानसभा में कांग्रेस की डगर बहुत आसान नहीं लग रही है, आसन शब्दों में यूं कहें तो सब कुछ अच्छा नहीं चल रहा है कुछ पार्षदों को छोड़ दें तो लगभग पार्षद अभी भी कांग्रेस प्रत्याशी का विरोध कर रहे हैं कुछ तो खुलकर के कर रहे हैं, सूत्रों की यदि मने तो कांग्रेस के लिए चिरमिरी में अभी अच्छा माहौल नहीं बन पाया है वरिष्ठ वरिष्ठ कांग्रेस के लोग तो रमेश सिंह से अच्छे संबंध होने के नाते चाहते हैं कि कांग्रेस का प्रत्याशी विजई हो लेकिन इन 5 सालों में उत्पन्न नए नवले कथित कांग्रेसी पूरी तरह से विरोध में उतर आए हैं प्रत्याशी या उनके समर्थक आते हैं तो बिल्कुल सही काम चल रहा है सब कुछ अच्छा चल रहा है कहकर उन्हें संतुष्ट करने का प्रयास करते हैं लेकिन उनके जाने के बाद पुनः विरोध फिर से चालू हो जाता है इस तरह से कांग्रेस पार्टी चिरमिरी से काफी कमजोर बताई जाती है जयचंद और हरिराम नाई सक्रिय हैं लेकिन प्रत्याशी द्वारा प्रदत्त पर्याप्त ऊर्जा नहीं मिलने के कारण उन लोगों में काफ़ी असंतोष दिख रहा है, हर बार डॉक्टर साहब के द्वारा दी जाने वाली ऊर्जा के बारे में जिक्र कर प्रत्याशी समर्थकों के हौसले बढ़ाने का काम हरिराम नाई कर रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस प्रत्याशी रमेश सिंह के समर्थको का ओवर कॉन्फिडेंस साथ में आसमान पर चल रहा है लगभग अपने आप को जीता हुआ कैंडिडेट मानकर चल रहे हैं, उनके समर्थकों का मानना है कि लगभग दश बारह हजार मत यदि चिरमिरी से मिल जानें में कामयाब होते हैं उन्हें फिर किसी बात का डर नहीं है और वह आराम से चुनाव जीत रहे हैं लगभग कांग्रेस प्रत्याशी समर्थित कार्यकर्ता लगभग सभी इसी फॉर्मूले में काम कर रहे हैं, कांग्रेस अर्थशास्त्रियों का समूह हर पान ठेलों एवम चौक चौराहों पर ईसी प्रकार की चर्चा करता फिर रहा है। चिरमिरी में गोगपा के प्रत्याशी शेख ईस्माइल की दखल काफी जमीनी दिख रही है, लोकल का फैक्टर यदि चला तो गोगापा प्रत्याशी को इसका खूब फायदा मिलेगा, इस्माइल भी इसी आस में सभी घरों वार्डो मोहल्ले में घूम कर अपने पक्ष में मतदान की अपील कर रहे हैं लोगों का मानना है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ने चिरमिरी को इस लाइक नहीं समझा कि वह वहां से प्रत्याशी दे सके जबकि चिरमिरी नगर निगम है वहां पर दोनों पार्टियों से बड़े-बड़े लीडर अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर रहे थे, जनसंख्या से की दृष्टि से भी चिरमिरी काफी बड़ा है लेकिन दोनों पार्टियों के आला कमान को चिरमिरी में कोई भी कार्यकर्ता उसे स्तर का नहीं दिखा जिसे वे विधानसभा का उम्मीदवार बनाते, इस बात को लेकर भी लोगों में आक्रोश व्याप्त है, जन चर्चाओं के बीच यह भी खबर आ रही है कि शेख इस्माइल को कांग्रेस पार्टी का वोट काटने के लिए श्याम बिहारी जायसवाल और डॉक्टर विनय जायसवाल के आपसिक सहमति से टिकट दिलाया गया है ताकि मुस्लिम मतों को वे काटते हैं तो भारतीय जनता पार्टी को फायदा होता दिख रहा है, भाजपा और कांग्रेस के पूर्व और वर्तमान विधायक जायसवाल बंधुओं का यह मानना है कि मनेद्रगढ़ विधानसभा में बीजेपी हो या कांग्रेस कलचुरी समाज का ही विधायक होना चाहिए, देखना यह है कि इस बार यह विधानसभा किस करवट बैठती है मतदाता अपना रुख यथावत रखते हैं या परिवर्तित करते हैं।

महापौर तो टिकट वितरण के बाद से ही रायपुर शिफ्ट

वही विधायक और विधायक के कट्टर समर्थक कुछ तो भाजपा में चले गए हैं और कुछ बैक डोर से भाजपा का समर्थन कर रहे हैं पूर्व विधायक और विधायक दोनों एक ही समाज से आते हैं कुछ दिनों को सामाजिक बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि समाज के व्यक्ति को ही मनेन्द्रगढ़ का प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए या भी एक कारण है कि रायपुर से बैठकर विधायक और उनकी पत्नी इन दोनों कांग्रेस के पक्ष में प्रचार ना कर समाज के लोगों को और अपने समर्थकों को बीजेपी के पक्ष में प्रचार करने के आरोप लग रहे हैं महापौर तो टिकट वितरण के बाद जैसे रायपुर शिफ्ट होती हैं ऐसा लगता है कि उनका इस शहर से कोई वास्ता ही नहीं रहा यही वजह है कि महापौर और विधायक समर्थक कहीं पर भी कांग्रेस हित में कार्य करते नहीं दिख रहे हैं, हाला कि कांग्रेस के कुछ दूरदर्शी युवा नेता जो कभी विधायक के करीब थे वे चंद लोग अपना भविष्य अच्छा बनाए रखने के लिए वह कांग्रेस के लिए काम कर रहे हैं डॉक्टर समर्थक पुरी तरह से विलुप्त दिख रहे है।

आबकारी विभाग द्वारा छापामार कार्यवाही करते हुए 345 लीटर महुआ शराब को किया जब्त

-संवाददाता-
कोरबा,11 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

आबकारी विभाग को सूचना प्राप्त हुई की जिले के चीतपाली में डोमनाले तट पर अवैध शराब का निर्माण किया जा रहा है, जिस पर विभाग ने तत्काल कार्यवाही करते हुए उक्त स्थल पर दबिश दी । जहां बड़े पैमाने

पर शराब बनाया जा रहा था। जिस पर टीम ने अवैध शराब बनाने वालों पर कार्यवाही करने घेराबंदी की पर विभाग के स्थल तक पहुंचने से पूर्व ही ग्रामीण जंगल की ओर भाग निकले। हालांकि विभाग ने झाड़ियों के पीछे छिपाकर रखे 345 लीटर महुआ शराब को जब्त कर लिया है,साथ भट्ठी को भी किया नष्ट ।

80 प्लस वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग मतदाताओं ने घर पर किया मतदान

-संवाददाता-
कोरबा 11 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सौरभ कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप के मार्गदर्शन में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देशानुसार आज कटघोरा एवं कोरबा विधानसभा क्षेत्र के 80 वर्ष से अधिक आयु तथा दिव्यांग मतदाताओं में मतदान दलों की उपस्थिति में घर पर भी मतदान करके लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता दी। कोरबा विधानसभा अंतर्गत खरमोरा की 92 वर्षीय वृद्धा श्रीमती फूलकुंवर ने घर में ही अपना वोट डाक मतपत्र के जरिए डाला। निर्वाचन आयोग द्वारा होम वोटिंग की सुविधा पाकर फूलकुंवर ने बहुत ही खुशी जाहिर करते हुए धन्यवाद दिया। इसी प्रकार कोसाबाड़ी निवासी शकुंतला और नीम चौक बस्ती निवासी शीतलमती 90 वर्ष ने भी प्रसन्नता के साथ वोट देकर लोकतंत्र के निर्माण में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इसी तरह कोरबा विधानसभा अंतर्गत दिव्यांग मतदाता श्री शिवकुमार प्रजापति और कटघोरा विधानसभा क्षेत्र से

वरिष्ठ नागरिक श्री महावीर अग्रवाल 88 वर्ष ने घर बैठे मतदान दलों की सहायता से मतदान किया। इस दौरान दिव्यांग मतदाता श्री शिवकुमार ने बताया कि उन्होंने होम वोटिंग के लिए अपनी सहमति पत्र दिया था। घर पर मतदान की सुविधा मिल जाने से उनकी भागीदारी लोकतंत्र के महापर्व में सुनिश्चित हो गई है। वरिष्ठ नागरिक श्री महावीर अग्रवाल ने कहा कि पहले वे मतदान केंद्र में जाकर वोट डालते रहे हैं। उम्र अधिक होने की वजह से मतदान केंद्र में जाना एक चुनौती के समान हो गया था। निर्वाचन आयोग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए घर बैठे मतदान की सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने से आज वे वोट डालने में समर्थ हैं।

मेडिकल कॉलेज में नवजात शिशु की मौत पर लापरवाही का लगा आरोप

-संवाददाता-
कोरबा 11 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

जिला मेडिकल कॉलेज में एक नवजात शिशु की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। परिजनों ने ड्यूटी पर तैनात नर्स पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा है कि नाइट शिफ्ट में नींद में नर्स ने शिशु को अधिक मात्रा में दवा दिया, जिससे नवजात की मौत हो गई । जानकारी के मुताबिक बालको निवासी प्रसूता पुतुम सिंह के परिजनों ने इस मामले की शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है साथ ही पुलिस परिजनों का बयान भी ली है । उक्त मामले में नवजात शिशु का पोस्टमार्टम कराया गया है,जिसका रिपोर्ट आनी बाकी है द्व जिससे यह ज्ञात हो पाएगा के बच्चे की मृत्यु किन कारणों से हुई। वहीं जिला मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर अनमोल मधुरमीय ने बताया कि इस मामले में जांच टीम बनाई गई है, जिसमें दो डॉक्टर समेत पांच सदस्यीय टीम मामले की जांच कर रही है, साथ ही 10 दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी । जिसपर यह साफ हो जाएगा की बच्चे की मौत लापरवाही से हुई या फिर कोई और कारण द्य यदि लापरवाही की बात सामने आती है तो, निश्चित ही संबंधित व्यक्ति पर कार्यवाही की जाएगी ।

दिवाली का तोहफा देने के इरादे से उतरेगा भारत

भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंची लेकिन नीदरलैंड टूर्नामेंट हार गया और यह उनका आखिरी मैच होगा

बेंगलुरु,11 नवम्बर 2023। इस वर्ल्ड कप में अब तक अजेय रही टीम इंडिया नीदरलैंड के खिलाफ आखिरी लीग मैच में जीत बरकरार रखकर देश को दिवाली का तोहफा देना चाहेगी क्योंकि विराट कोहली अपना अर्धशतक मना रहे हैं. बहुत बढ़िया मौका है. वनडे शतक.में एक ऐसा रिकॉर्ड हासिल करना जो कायम रहेगा। भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंची लेकिन नीदरलैंड टूर्नामेंट हार गया और यह उनका आखिरी मैच होगा। इस आधिकारिक मुकाबले में भारतीय टीम में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। क्रिकेट एक ऐसा खेल है जहां परिणाम और आंकड़े वैसे भी मायने रखते हैं। इसलिए, ऐतिहासिक व्यक्तिगत परिणाम प्राप्त करने की संभावना इस खेल को टीम के लिए आकर्षक बनाती है। कोहली ने कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 49 रन बनाकर सचिन तेंदुलकर के वनडे

रिकॉर्ड की बराबरी की और अपना 50वां शतक बनाने के करीब हैं। जहां कोहली बाहर के शोर को नजरअंदाज कर अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं, वहीं घरेलू स्टेडियम में आईपीएल दर्शकों की उम्मीदें काफी अधिक होंगी। उन्होंने अब तक 543 रन बनाए हैं, जो इस वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा है. कोहली ने पहली बार 50 ओवर के विश्व कप में 500 से अधिक रन बनाए। उन्होंने 2011 में 282 रन, 2015 में 305 रन और 2019 में 443 रन बनाए। तेंदुलकर, शिखर धवन और रोहित शर्मा तीनों ने इन तीन विश्व कप में एक साथ खेला है। कोहली इंडियन लीग के अंतिम मैच में कुछ अच्छे बल्लेबाजी अभ्यास के साथ खुद को सेमीफाइनल के लिए तैयार करने की उम्मीद कर रहे होंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के बाद भारतीय टीम ने एक हफ्ते तक ट्रेनिंग की. इस टीम के लिए प्रबंधन उम्मीद कर रहा है कि सूर्यकुमार यादव स्कोर करें, जो चार मैचों में सिर्फ 85 रन बना सके।

अन्य सभी प्रमुख बल्लेबाजों ने कम से कम अर्धशतक बनाए। चोट के कारण हार्दिक पंड्या के बाहर होने से सूर्यकुमार ने शुरुआती एकादश में जगह पक्की कर ली, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। नीदरलैंड के खिलाफ मैच उनके लिए एक अनोखा अवसर है। भारत ने लगातार आठ जीत दर्ज की हैं, इस तथ्य को नजरअंदाज करते हुए कि रोहित शर्मा और शुबमन गिल पांच मैचों में बड़ी साझेदारी नहीं बना पाए। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 88 रन, न्यूजीलैंड के खिलाफ 71 रन और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 62 रन जोड़े, लेकिन बाकी पांच मैचों में वह सिर्फ 5, 32, 23, 26 और चार रन की साझेदारियां ही बना सके।

पूरे टूर्नामेंट में भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया. जसप्रित बुमरा, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज विपक्षी बल्लेबाजों को दबाव में रखते हैं, हालांकि सिराज बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। डच टीम में लोगन वान बीक, बास डी लिडे और पॉल वान मीकेरेन जैसे कुछ अच्छे गेंदबाज हैं लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग मानी जाती है। उनके शीर्ष बल्लेबाज तेजा नदमानुरु, मैक्स ओ'डोड और वेस्ले बारेसी रनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और भारतीय गेंदबाजों के लिए रन बनाना मुश्किल काम है।

ऑस्ट्रेलिया के पास सेमीफाइनल जीतने का अनुभव

लेकिन हम हर हालत में जीत के इरादे से उतरेंगे

अहमदाबाद,11 नवम्बर 2023। दक्षिण अफ़्रीकी बल्लेबाज रासी वान डेर डुसेन का मानना है कि पांच बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के पास नॉकआउट टूर्नामेंट जीतने का काफी अनुभव है लेकिन इस बार उनकी टीम ÷हर कीमत पर जीतेगी÷। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच सेमीफाइनल मैच गुरुवार को होगा. लीग में दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 134 रनों से हराया. दक्षिण अफ्रीका आखिरी बार 2015 में सेमीफाइनल में पहुंचा था। ऑस्ट्रेलिया ने 2015 वनडे विश्व कप और 2021 टी20 विश्व कप जीता था। वैन डेर डुसेन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि यह सेमीफाइनल अलग होगा। ऑस्ट्रेलिया पहले भी सेमीफाइनल में पहुंच चुका है और विश्व कप जीत चुका है, लेकिन केवल वही टीमें जीतती हैं जो अपनी मैच के दिन की रणनीति पर अमल करती हैं। उन्होंने कहा कि हम कई बार लगभग सेमीफाइनल में पहुंच चुके थे, लेकिन इस बार हम जीतने के इरादे से आये हैं. हमें किसी भी कीमत पर जीतना है और यही हमारा लक्ष्य है।' दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा का हैमस्ट्रिंग चोट से जूझना संदिग्ध है। वान डेर डुसेन ने कहा, यह एक आदर्श स्थिति नहीं है।÷ देखते हैं कल क्या स्थिति होगी. फिलहाल वह अपनी लय के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन टीम को उनकी जरूरत है.

ओलिवर काह्न ने भारत में फुटबॉल अकादमी शुरू की

मुंबई,11 नवम्बर 2023। जर्मनी और एफसी बायर्न म्यूनिख के दिग्गज ओलिवर काह्न भारतीय फुटबॉल पर एक बड़ा प्रभाव डालने के लिए तैयार हैं क्योंकि उन्होंने देश में ओलिवर काह्न अकादमी शुरू करने की अपनी दूरदर्शी योजना का खुलासा किया है।

महाराष्ट्र में प्रो 10 के साथ साझेदारी में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य देश में फुटबॉल के विकास में क्रांति लाना और इसकी विशाल क्षमता का दोहन करना है। ओलिवर कान अकादमी व्यापक फुटबॉल शिक्षा का केंद्र बनने के लिए तैयार है, जो न केवल खिलाड़ियों बल्कि अच्छी तरह से विकसित एथलीटों को तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। महत्वाकांक्षी योजना में पूरे भारत में फुटबॉल क्लब, खेल अकादमियों और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ी अकादमियां स्थापित करना शामिल है।

साथ ही, भारत के विभिन्न क्षेत्रों में गोलकीपर अकादमियां स्थापित की जाएंगी, जो गोलकीपिंग के लिए उत्कृष्टता केंद्र बनेंगी, जो अक्सर किसी भी सफल टीम की रीढ़ होती हैं। महाराष्ट्र में प्रो 10 के साथ साझेदारी इस पहल का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो ओलिवर कान अकादमी को इस क्षेत्र में एक मजबूत पकड़ स्थापित करने और फुटबॉल विकास के लिए एक मॉडल के रूप में काम करने में सक्षम बनाता है।

ओलिवर कान, सबसे प्रसिद्ध फुटबॉल आइकनों में से एक और ओलिवर कान अकादमी और गोलप्ले के संस्थापक, खेल के लिए अपने ज्ञान और उत्साह को भारत ले जाते हैं, उनका मानना है कि देश में अप्रयुक्त क्षमता का खजाना है।

योजना के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, ÷भारत फुटबॉल में काफी संभावनाओं वाला देश है। इस देश को खेल के विकास के लिए सही फुटबॉल शिक्षा, एक अनुशासित पाठ्यक्रम और विश्व स्तरीय सुविधाओं की आवश्यकता है। हमारा लक्ष्य भारत को बेहतर खेल वाला देश बनाना है और मुझे विश्वास है कि इस देश में वैश्विक फुटबॉल मंच पर फलने-फूलने की क्षमता है।÷

कौशिक मौलिक, वरिष्ठ सलाहकार भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया, ओलिवर कान अकादमी और गोलप्ले ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा- ÷हमें भारत में ओलिवर कान अकादमी और गोलप्ले अकादमी शुरू करने पर गर्व है। ओलिवर कान के उत्कृष्ट अनुभव और खेल के ज्ञान की बदौलत हम भारत के युवाओं को विश्व स्तरीय फुटबॉल शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे एकजुट प्रयासों का निश्चित रूप से भारतीय फुटबॉल पर लाभकारी प्रभाव पड़ेगा। हम भारत को देखने वाले देश से खेलने वाले देश में बदलकर अगले स्तर पर ले जाना चाहते हैं।÷

न्यूजीलैंड का सामना करने के लिए विराट कोहली ले रहे बहुत ही कठिन ट्रेनिंग

बेंगलुरु,11 नवम्बर 2023। विराट कोहली के नेट सत्र अक्सर एक गहन, अच्छी तरह से गणना की गई कवायद, उनकी वास्तविक-खेल बल्लेबाजी का एक संक्षिप्त संस्करण होते हैं।

यहां भारत का वैकल्पिक नेट एक दोहराव था क्योंकि कोहली ने शॉर्ट-पिच गेंदबाजी और बाएं हाथ की स्पिन के खिलाफ अपने कौशल को निखारने में सावधानी बरती, जिसे उन्हें विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ संभावित रूप से नकारना होगा।कीवी टीम 15 नवंबर को मुंबई में भारत के खिलाफ होने वाले अंतिम चार मैचों के लिए 10 अंकों और अपने निकटतम दावेदार पाकिस्तान से बेहतर रन रेट के आधार पर प्रबल दावेदार है।

कोहली के सामने तात्कालिक लक्ष्य नीदरलैंड्स को निपटाना हो सकता है, लेकिन उचित सम्मान के साथ डच अभी भी न्यूजीलैंड वर्ग में नहीं हैं।ब्लैक कैप्स द्वारा कोहली को दी जाने वाली चुनौतियों में से एक लॉकी फर्ग्यूसन के माध्यम से होगी। एक्सप्रेस पेसर ने अभी तक वैसा प्रदर्शन नहीं किया है जैसा उन्होंने 2019 विश्व कप में किया था, आंशिक रूप से दाहिनी अकिलीज़ निगलने के कारण। लेकिन फर्ग्यूसन ने श्रीलंका के खिलाफ चिन्नास्वामी स्टेडियम में शॉर्ट-पिच गेंदों की बौछार से लंका के मध्य और अंतिम क्रम को झकझोर कर चरम पर पहुंचने

के संकेत दिए।यहां तक कि उन्होंने महेश थीक्षाना को अपने हाथों पर पिंग कर लिया, जिससे बल्लेबाज कुछ मिनटों के लिए दर्द से कराहता रहा।अगर बैठक सफल होती है तो फर्ग्यूसन भारत के खिलाफ भी रणनीति दोहराने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं।

समसामयिक क्रिकेट में कोहली की एक बेहतर क्षमता है और वह शायद ही कभी अपनी बॉडी लाइन से परेशान होते हैं, लेकिन अपने चरित्र के प्रति सच्चे, पूर्व भारतीय कप्तान कोई भी कसर नहीं छोड़ते।तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर और साइड-आर्म विशेषज्ञों ने कोहली पर कई बाउंसर फेंके और उन्हें उनमें से कई को दूर करने में थोड़ी कठिनाई हुई, कुछ शॉट दूसरी श्रेणी तक गए।

35 वर्षीय खिलाड़ी ने कुछ रैंप शॉट्स का भी प्रयास किया, जो फर्ग्यूसन जैसे गेंदबाज के खिलाफ उपयोगी साबित हो सकता है जो 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंक सकता है।कोहली के लिए दूसरा परीक्षण बिंदु मिशेल सैंटनर की बाएं हाथ की स्पिन के रूप में आ सकता है। यह कोई रहस्य नहीं है कि भारतीय स्टार उस प्रकार के खिलाफ अच्छे रिकॉर्ड का दावा नहीं करते हैं, जो अक्सर उलझन में पड़ जाते हैं।

अतीत में, केशव महाराज, शाकिब अल हसन और डुनिथ वेलालेज जैसे बाएं हाथ के बल्लेबाजों को कोहली के खिलाफ सफलता मिली थी।सेंटनर यहां देखने में न्यूजीलैंड के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं, जो बल्लेबाजों को काफी हद तक शांत रखने के लिए लगातार सही लंबाई पर गेंद डालते हैं।

यह घटना में उनकी संख्या में भी परिलक्षित हुआ है क्क नौ मैचों में 4.6 की अच्छी इकॉनमी के साथ 16 विकेट।इसकी पूरी संभावना है कि कोहली को बीच के ओवरों में सेंटनर का सामना करना पड़ेगा, जिनके खिलाफ 17 मैचों में उनका औसत सिर्फ 9.33 का रहा है, जबकि तीन बार आउट हुए हैं। यहां तक कि अगर कोई हाल के आंकड़ों को देखें, तो बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ कोहली का संघर्ष काफी स्पष्ट है। जनवरी 2021 से, कोहली का औसत उनके खिलाफ 13 से अधिक है और स्ट्राइक-रेट घटकर 66 हो गया है।इसलिए, नेट्स पर रवींद्र जडेजा का सामना करते हुए कोहली को बाएं हाथ की स्पिन के खिलाफ अपनी कला में सुधार करते हुए देखना कोई आश्चर्य की बात नहीं थी, जो दिल्लीवासियों से कुछ गलत शॉट्स लेने में भी कामयाब रहे। हालाँकि, यह स्पष्ट था कि कोहली ने पहले से ही अपने दिमाग में उन संभावित खतरे वाले क्षेत्रों को माप लिया है जिनसे उन्हें बड़े दिन पर गुजरना पड़ सकता है।यह एक वैकल्पिक सत्र था लेकिन इशान किशन को छोड़कर सभी भारतीय खिलाड़ियों ने नेट्स में भाग लिया।एक नवीनता में, तेज गेंदबाज जसप्रित बुमरा ने थोड़ी सी स्पिन में अपना हाथ आजमाया, जबकि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने साइड-आर्म थ्रोअर के रूप में काम किया।

पाकिस्तान के सबसे तेज़ गेंदबाज हारिस रऊफ इतना पिटे की बन गया रिकॉर्ड

कोलकाता,11 नवम्बर 2023। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ का आईसीसी विश्व कप 2023 में खराब प्रदर्शन रहा है और अब उन्होंने इस संस्करण में 500 से अधिक रन दिए हैं। रऊफ ने इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता में अब तक 6 ओवर में 44 रन देकर एक विकेट लिया है।

30 वर्षीय दाएं हाथ के तेज गेंदबाज, जो टीम में पाकिस्तान के सबसे तेज गेंदबाज हैं, एकदिवसीय विश्व कप के एकल संस्करण में 500 रन देने वाले पहले एशियाई बन गए हैं।

राउफ इस विश्व कप में 9 एकदिवसीय मैचों में 14 विकेट के साथ सर्वाधिक विकेट लेने की सूची में 9वें स्थान पर हैं, लेकिन उन्होंने इस टूर्नामेंट में 6.8 से अधिक की इकॉनमी रेट से रन बनाए हैं। उनका 32.14 का स्ट्राइक रेट भी टॉप-10 गेंदबाजों में सबसे खराब में से एक है।

शाहीन शाह अफरीदी, रऊफ और हसन अली जैसे कुछ बड़े नाम होने के बावजूद पाकिस्तान का खराब गेंदबाजी प्रदर्शन इस विश्व कप में उनके पतन के सबसे बड़े कारणों में से एक रहा है।

इंग्लैंड द्वारा अपने अंतिम लीग गेम में ईडन गार्डन्स में पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद मेन इन ग्रीन को सेमीफाइनल में पहुंचने की असंभव चुनौती का सामना करना पड़ा।

चौथे स्थान पर पहुंचने के लिए नेट रन रेट पर न्यूजीलैंड से आगे निकलने के लिए उन्हें 284 गेंद शेष रहते इंग्लैंड के स्कोर का पीछा करना होगा।

इंडिया न्यूज़ीलैंड के बीच होगा सेमीफाइनल,आईसीसी ने की घोषणा

इंग्लैंड के खिलाफ मैच से पहले दिया संकेत

मेलबर्न,11 नवम्बर 2023। आईसीसी विश्व कप 2023 का आयोजन सफलतापूर्वक भारत में किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर सेमीफाइनल का लाइनअप भी तैयार है। आईसीसी विश्वकप में भारत पहले पायदान पर काबिज है, जिसका मुकाबला न्यूजीलैंड के साथ होने की संभावना अधिक है। वहीं दूसरे और तीसरे नंबर पर स्थित दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच सेमीफाइनल होना लगभग तय हो चुका है।

हालांकि भारतीय टीम ने इस बार सबसे पहले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया था मगर अब तक ये तय नहीं हो सका है कि भारत का मुकाबला किस टीम के साथ होना है। दरअसल टॉप फोर में जगह बनाने के लिए न्यूजीलैंड के साथ पाकिस्तान की टीम भी दावेदारी पेश कर रही है। हालांकि पाकिस्तान की दावेदारी काफी कमजोर है। मगर पाकिस्तान सेमीफाइनल की रेस में अपने अंतिम लीग मैच तक बनी हुई है। हालांकि पाकिस्तान की उम्मीदों के बावजूद भी आईसीसी ने न्यूजीलैंड की टीम को ही भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में विरोधी मान लिया है। इसकी आईसीसी ने आधिकारिक घोषणा भी कर दी है। ऐसे में 11 नवंबर को इंग्लैंड और पाकिस्तान की भिड़ंत से पहले ही आईसीसी ने सेमीफाइनल खेलने वाली टीमों के नाम का ऐलान कर दिया है। साथ ही आईसीसी ने ये भी साफ कर दिया है कि पाकिस्तान की टीम का आईसीसी विश्व कप में सफर समाप्त हो चुका है। न्यूजीलैंड ने श्रीलंका के खिलाफ खेले गए अपने अंतिम लीग मैच में पांच विकेट की शानदार जीत दर्ज की थी सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की है।

इस जीत के साथ न्यूजीलैंड का नेट रनरेट बढ़कर +0.743 हो गया। पाकिस्तान उनसे एक स्थान नीचे है, लेकिन सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ अपनी भिड़ंत पक्की करने के लिए इंग्लैंड के खिलाफ सिर्फ जीत ही काफी नहीं होगी। हालाँकि यह उन्हें जीत से समान अंकों के साथ न्यूजीलैंड के बराबर लाएगा, +0.036 के उनके एनआरआर का मतलब है कि अंक तालिका में चौथा स्थान सुरक्षित करने के लिए उनके लिए जीत का अंतर बहुत बड़ा होना चाहिए। अगर पाकिस्तान एनआरआर पर न्यूजीलैंड से आगे निकलने के लिए पहले बल्लेबाजी करता है तो उसे इंग्लैंड को 287 रनों से हराना होगा। अगर उन्हें पहले गेंदबाजी करने को कहा जाता है, तो उन्हें पांच ओवर से भी कम समय में लक्ष्य हासिल करना होगा, जो काफी कठिन है।सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ में पाकिस्तान की उम्मीदें जीवित है। इसी बीच गेटवे ऑफ इंडिया पर उनके दिवाली समारोह का एक वीडियो आईसीसी ने शेयर किया है, जिससे पता चला है कि सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा।

अनिल शर्मा ने शुरू की अपनी फिल्म जर्नी की शूटिंग

सनी देओल और अमीषा पटेल की गदर 2 को मिली शानदार सफलता के बाद से ही निर्देशक अनिल शर्मा चर्चा में बने हुए हैं।फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था।इस सबके बीच अब निर्देशक अपनी नई फिल्म जर्नी की तैयारी में जुट गए हैं, जिसमें नाना पाटेकर और उनके बेटे उत्कर्ष शर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। खबर यह है कि जर्नी की शूटिंग शुरू हो चुकी है।अनिल ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह पाटेकर और उत्कर्ष के साथ नजर आ रहे हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले निर्देशक ने पाटेकर और उत्कर्ष के साथ काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन किए।उन्होंने कैप्शन में लिखा, फिल्म गदर 2 के बाद काशी विश्वनाथ के आशीर्वाद से नई जर्नी शुरू होती है।

अपने करियर के इस नए चैप्टर के बारे में उत्साह व्यक्त करते हुए, उत्कर्ष ने साझा किया: मैं वास्तव में रोमांचित हूं कि मेरी नई जर्नी शुरू हो गई है, और फिल्म का नाम ही जर्नी है। इस स्क्रिप्ट पर कुछ सालों से काम चल रहा है और यह खूबसूरती से तैयार की गई है। यह कहानी न सिर्फ मेरे दिल के करीब है बल्कि हर भारतीय के मन से जुड़ी है।

एक्टर ने आगे कहा, मुझे विश्वास है कि वे इस खूबसूरत यात्रा का आनंद लेंगे, और आज जब हम इस साहसिक यात्रा पर निकल रहे हैं, तो मैं विनम्रतापूर्वक उनका आशीर्वाद और प्यार चाहता हूं। मैं बस इतना ही मांग सकता हूं। हम अपनी यात्रा पर निकल रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस रोमांचक यात्रा में हमारे साथ शामिल होंगे।

उत्कर्ष का मानना है कि शहर की आध्यात्मिक आभा इस प्रोजेक्ट को एक अनूठी ऊर्जा से भर देगी और एक सिनेमैटिक मास्टरपीस का निर्माण करेगी।

गदर फेम एक्टर ने कहा, वाराणसी अपने आध्यात्मिक महत्व के लिए जाना जाता है, और यहां का माहौल अविश्वसनीय रूप से सकारात्मक है। जब आपके साथ भगवान शिव का आशीर्वाद और शहर की दिव्य ऊर्जा है, तो कुछ भी गलत नहीं हो सकता।

मलाइका अरोड़ा ने रैंप पर बिखेरा हुस्न की अदाओं का कहर

बॉलीवुड की फिटनेट क्वीन मलाइका अरोड़ा हमेशा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाओं का विषय रहती हैं। एक्ट्रेस अपनी पर्सनैलिटी से बॉलीवुड की यंग अभिनेत्रियों को भी टक्कर देती हैं। मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में एक इवेंट में शिरकत की थी, जिसमें उनका बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लुक देखकर फैंस उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। मलाइका अरोड़ा बी-टाउन की खूबसूरत और ग्लैमरस हसीनाओं में से एक हैं। फैंस भी उनकी हर एक झलक पाने के लिए उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने डांस और फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। हालांकि लोग भी उनकी किलर लुक्स की तारीफ करते हुए नहीं थकते हैं। हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने टाइम्स फैशन वीक इवेंट के दौरान बेहद ही स्टाइलिश लहंगा कैरी किया था, जिसकी सिजलिंग फोटोज उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में मलाइका अरोड़ा ने डीपनेक ब्लाउज और साथ ही रिवीलिंग लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो बला की खूबसूरत नजर आ रही हैं। गले में बड़ा सा नेकलेस, ग्लैम मेकअप और बालों को स्टाइलिश लुक देकर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपनी इस खूबसूरती को और भी शानदार तरीके से निखारा है। मलाइका अपने हर एक लुक से सोशल मीडिया पर आग लगा देती हैं। हालांकि एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ट्रेडिशनल आउटफिट में फोटोज शेयर कर फैंस के बीच कहर बरपा दिया है। बता दें कि एक्ट्रेस 50 साल की हो चुकी हैं, लेकिन अभी भी अपने फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस के बीच महफिल लूट लेती हैं। मलाइका अरोड़ा इन तस्वीरों को शेयर हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 1 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिया है।

CMYK

बीजेपी विधायक बृजमोहन ने सीएम भूपेश को दी चुनौती

बृजमोहन बोले-हमला करने वाला पहले से 307 का आरोपी है,सीएम के भाषण पर रोक लगाने शिकायत और मानहानि का भी केस दर्ज करवाऊंगा

रायपुर,11 नवम्बर 2023(ए)। बीजेपी विधायक बृजमोहन ने सीएम भूपेश को चुनौती देते हुए कहा आपको चैलेंज करता हूँ कि प्रदेश की जिस सीट से वे चुनाव लड़ने की बात कहें मैं वहां आ जाऊंगा। पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने निशाना साधते हुए कहा कि सीएम कहते है कि मैं हार के डर से ऐसा कर रहा हूँ लेकिन ऐसा नही है।

बृजमोहन बोले- मुझ पर हमला करने वाला पहले से 307 काआरोपी है,सीएम के भाषण पर रोक लगाने चुनाव आयोग में शिकायत करूँगा, मानहानि का भी केस दर्ज करवाऊंगा।

बृजमोहन ने मुख्यमंत्री द्वारा उनपर हुए हमले के बाद दिया बयान का तल्ख़ जवाब दिया है।

कहा- मुख्यमंत्री कोई भी सीट तय कर ले। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मेरे ऊपर हुए हमले के बाद मुख्यमंत्री के बयान से मैं आहत हूँ।

मैं 7 बार का विधायक हूँ लेकिन मुख्यमंत्री जी ने मेरे बारे में जो शब्द बोले है उसके लिए उन्हें रायपुर की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

पुलिस ने जिसे अरेस्ट किया वह 307 का आरोपी

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मैं सब जगह घूमता हूँ । इस बात की जानकारी सबको रहती है। यह सब पहले से प्लान किया गया था। महापौर के वार्ड में ही मेरे ऊपर हमला क्यो हुआ।

पुलिस ने जिस आरोपी को गिरफ्तार किया है। वह पहले से 307 का आरोपी रहा है। मैं मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूँ कि जो उन्होंने अपने वरिष्ठ विधायक साथी के लिए कहा है. क्या वे उसके लिए वो माफी मांगेंगे।

बृजमोहन की पुलिस को सख्त हिदायत

बीजेपी विधायक बृजमोहन ने हिदायत दी कि पुलिस कार्रवाई करें नहीं तो हम उन गुर्गो को घर से बाहर निकाल कर ठीक करेंगे। रायपुर दक्षिण विधानसभा का चुनाव ढेबर बंधुओं को ठेके पर दिया गया है।

इस बात का खुलासा मैं 14 नवम्बर को करूंगा। हमारे कार्यकर्ताओं को धमकाया गया है। उन्हें पैसों का प्रलोभन दिया जा रहा है। उनकी बात नही मानने पर लोगो को धमकी दी जा रही है कि 17 तारीख के बाद देख लेंगे।

बैजनाथ पारा की घटना के बाद सीएम के बयान पर बोले बृजमोहन-मैं आहत हूं कोई सभ्य आदमी ऐसा नहीं बोल सकता

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और 7 बार के विधायक, 3 बार के पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के साथ दक्षिण विस क्षेत्र के बैजनाथपारा में उनके साथ कुछ लोगों ने बदसलूकी की कोशिश की। इस वारदात के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा की गई टिप्पणियों से विधायक व भाजपा के दिग्गज नेता काफी आहत है।

आज इसी संबंध में उन्होंने कहा कि सीएम ने मेरे लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया, उससे मैं आहत हूं। उन्होंने कहा कि, रायपुर की जनता ने मुझ पर सात बार भरोसा किया है, मैं मुख्यमंत्री की कृपा से विधायक या

मंत्री नहीं बना हूं। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, मुझ पर हमला हुआज लेकिन फिर भी सीएम ने इस पर जो कहा, कोई भी सभ्य आदमी ऐसे शब्दों का उपयोग नहीं करता।

उन्होंने पत्रकारों से चर्चा के दौरान सीएम पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें पैसे की आदत लग गई है। जिनके ऊपर सट्टा चलाने के आरोप हैं, उन्हें अपने पास रखा है। इतनी बड़ी घटना के बाद मुख्यमंत्री ने दो शब्द नहीं कहे, उल्टे जिस तरह की टिप्पणी की वह ठीक नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि मैंने पहली बार सुना है कि, चुनाव भी ठेके पर दिया जाता है। मैं 14 नवंबर को इस संबंध में खुलासा करूंगा। उन्होंने कहा कि हमारे किन लोगों को धमकी दी गई। हमारे लोगों को पैसे में खरीदने की कोशिश होती है। लोग नहीं मानते तो उन्हें धमकी दी जाती है।

भाजपा विधायक यही पर नहीं रूके उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि रायपुर पुलिस बिक गई है या माफियाओं के साथ हो गई है। संजय नगर में हमारी गाड़ी को रोककर झंडे बैनर फाड़े गए। हमने शिकायत भी की, लेकिन कोई स्नढ्ढक्र नहीं हुई। हमारे कार्यकर्ताओं को धमकाया गया।

बृजमोहन अग्रवाल ने आगे कहा कि, मैं सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करूंगा। निर्वाचन आयोग से उनके बयान की शिकायत करूंगा। उन्होंने कहा कि, मैं चुनाव आयोग से 17 नवंबर तक उनके भाषणों पर रोक लगाने की मांग करूंगा।साथ ही उन्होंने इस दौरान सीएम भूपेश बघेल को चुनौती देते हुए कहा कि, भूपेश बघेल जहां से चाहें चुनाव लड़ लें, मैं उनके खिलाफ लड़ूंगा। सीट का चयन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कर लें।

पुलिस ने आरोपी साजिद खान उर्फ चिंटू पर मारपीट का मामला दर्ज

पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने लगाया था हत्या की साजिश का आरोप, कहा पुराना 307 का अपराधी है साजिद रायपुर में बीजेपी प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल से धक्का-मुक्की करने वाला आरोपी गिरफ्तार कर लिया गया है। हमले के मामले में जिस को गिरफ्तार किया गया है। पूर्व में 307 का आरोप भी लग चूका है।पुलिस के मुताबिक बैजनाथपारा हमले के मामले में मोहम्मद साजिद खान उर्फ चिंटू पिता स्वर्गीय अब्दुल वाहिद खान उम्र 43 साल को अरेस्ट कर लिया गया है। आरोपी का पता होटल नूरजहाँ के सामने, बैजनाथ पारा, कोतवाली थाना है। इधर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि मैं सब जगह घूमता हूँ । इस बात की जानकारी सबको रहती है। यह सब पहले से प्लान किया गया

था। महापौर के वार्ड में ही मेरे ऊपर हमला क्यो हुआ। पुलिस ने जिस आरोपी को।गिरफ्तार किया है। वह पहले से 307 का आरोपी है। हालांकि रायपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सिर्फ मारपीट और धमकी देने के तहत मामला दर्ज किया है। बता दें गुरुवार को जनसंपर्क के दौरान कुछ लोगों ने विधायक के साथ धक्का-मुक्की की थी। जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं में कोतवाली थाने का घेराव किया था।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जनता से कहाःकांग्रेस का विधायक बनाइये,कोटा के विकास की जिम्मेदारी मेरी

कोटा,11 नवम्बर 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस का विधायक बनाइये, कोटा के विकास की जिम्मेदारी मेरी होगी। भूपेश बघेल के समक्ष भारतीय जनता पार्टी के 40 कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस प्रवेश किया।

विधानसभा में कोटा ब्लॉक के ग्राम तेंदुवा में गत दिनों विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी अटल श्रीवास्तव के समर्थन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में तेंदुवा, मटसगरा, खपराखोल, करगीकला, करगीखुर्द, धूमा, लोकबंद, लमकेना, इमलीपारा, कुशमुली, सिरसहा, मनपहरी, नेवसा, मटकाबांधा, गोबरीपाटा, खैरझिटी, मोहदी, बारद्वार आदि गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अटल श्रीवास्तव युवा है, इंजीनियर है, मेरे सहयोगी है, कांग्रेस के संघर्षशील और मेहनती कार्यकर्ता है। संगठन में कार्य करने की क्षमता को देखकर कांग्रेस ने इन्हें कोटा से उम्मीदवार बनाया हैं। अटल श्रीवास्तव के सामने दो परिवार है और अटल श्रीवास्तव के साथ कोटा की जनता है। कांग्रेस का विधायक बनाइये, कोटा के विकास की जिम्मेदारी मेरी होगी।

विष्णुदेव को बड़ा बनाने के बय़ान पर सीएम भूपेश ने कहा

ये लोग साय को विश्व आदिवासी दिवस पर प्रदेश अध्यक्ष से हटा दिया थे

राज्यपाल को निशाने पर लेने के बाद भूपेश बघेल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर सियासी तंज कसा। बघेल ने कहा कि जिस विष्णुदेव साय को ये लोग बड़ा बनाना चाहते हैं। उस विष्णुदेव साय को भाजपा ने विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटा दिया था। सीएम ने राजनाथ सिंह के पाटन दौरे पर भी चुटकी लेते हुए कहा कि पाटन की धरती पर उनका स्वागत है। इस धरती को नमन करना चाहिए।

छत्तीसगढ़ राजभवन और भूपेश सरकार के बीच चल रहे टकराव के बीच भूपेश बघेल ने फिर से राजभवन को निशाने पर लिया। सीएम ने कहा कि पंजाब सरकार की अपील पर जिस तरह से वहां के राज्यपाल को सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की है वो केंद्र के लिए शर्मनाक है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी राज्यपाल के पास 12 बिल जो विकास से जुड़े हैं अटके पड़े हैं। राजभवन उन बिलों को पास नहीं कर रही है। केंद्र सरकार ये चाहती है कि वो राज्यपालों के जरिए राज्य सरकार को कंट्रोल करे। लोकतंत्र में फेडरल सिस्टम को इस तरह से रोकना बिल्कुल गलत है। मोदी सरकार लोकतंत्र पर प्रहार कर रही है।

भूपेश के बाद मेरा नाम तय हैःटीएस

छत्तीसगढ़ में ज्वाइंट नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है,जिसके कप्तान हमारे सीएम भूपेश बघेल हैं... अगर हमें जीत मिलती है तो सबसे पहले ट्रॉफी उन्हें मिलना चाहिए क्योंकि वो हमारे कप्तान हैं...

रायपुर,11 नवम्बर 2023 (ए)। डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने मीडिया के बातचीत के दौरान कहा कि छत्तीसगढ़ में ज्वाइंट नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है, जिसके कप्तान हमारे सीएम भूपेश बघेल हैं। अगर हमें जीत मिलती है तो सबसे पहले ट्रॉफी उन्हें मिलना चाहिए क्योंकि वो हमारे कप्तान हैं।

उन्होंने कहा, कांग्रेस ने फैसला किया है कि वह संयुक्त नेतृत्व पर चुनाव लड़ेगी और इसका नेतृत्व मौजूदा सीएम भूपेश बघेल करेंगे। हम सभी काम एक साथ कर रहे हैं। अगर हम जीतते हैं चुनाव में, कैप्टन (भूपेश बघेल) को पहली प्राथमिकता क्यों नहीं मिल सकती? वह कतार में पहले व्यक्ति हैं, इसलिए यदि अन्य पर विचार किया जाता है, तो वह उनके बाद ही होगा।डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि छत्तीसगढ़ में ज्वाइंट नेतृत्व में चुनाव लड़ा जा रहा है। इसके कप्तान हमारे सीएम भूपेश बघेल हैं।छत्तीसगढ़ कांग्रेस पार्टी में इस समय सीएम के नाम को लेकर हलचल दिखाई दे रही है।

प्रदेश का विधानसभा चुनाव तत्कालीन सीएम भूपेश बघेल के नाम पर लड़ा जा रहा है, जिसमें माना जा रहा था कि अगर कांग्रेस पार्टी दोबार सत्ता में आती है तो सीएम भूपेश बघेल ही सीएम बनेंगे। लेकिन

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के चुनावी सभा में दिए एक बयान ने अब इस पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। अब मल्लिकार्जुन खरगे के दिए बयान पर प्रतिक्रिया आ रही है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने अपना बयान दिया है।

खरगे के बयान पर हलचल

दरअसल, कोरिया जिले में हाल ही में चुनावी सभा करने आए राष्टीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को आप जीताओ फिर से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बनेंगे और दूसरी लाइन में ही संभल कर बोले कि जो भी हाईकमान चाहेगा वो मुख्यमंत्री बनेगा और कांग्रेस ने जो भी वादा किया है।

उसे जीतने के बाद पूरा करेंगे। खरगे के इस बयान से राज्य में हलचल मची हुई है। अब तक तो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ये मान रही थी कि चुनाव जीतने के बाद सीएम भूपेश बघेल ही बनेंगे, लेकिन खरगे के इस बयान ने सबको असमंजस में डाल दिया है।

छत्तीसगढ़ में पहले चरण में 20 सीटों पर मतदान हो चुका है बाकी 70 सीटों पर 17 नवंबर को मतदान कराया जाएगा. वहीं मतदान का परिणाम तीन दिसंबर को आना है। पहले चरण के चुनाव के बाद बीजेपी और कांग्रेस दोनों पार्टियां अपने जीतने का दावा कर रही हैं।

प्रियंका,राहुल और खड़गे का छत्तीसगढ़ दौरा 14-15 को

» **दोबारा कांग्रेस की सरकार बनाने 70 सीटों के लिए ताकत झोंकेगे**

रायपुर,11 नवम्बर 2023 (ए)। डिप्टी विधानसभा चुनाव के अंतिम पड़ाव में कांग्रेस के स्टार प्रचारक पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी 70 सीटों के लिए तूफानी प्रचार करेंगे। चुनाव से पहले यह राष्ट्रीय नेताओं की आखिरी और प्रभावी प्रचार होगा। मतदान से पहले मतदाताओं का समर्थन हासिल करने वाली महत्वपूर्ण चुनावी सभा साबित होगी।कांग्रेस आखिरी समय में 70 सीटों के लिए आक्रामक प्रचार करने जा रही है। 14 नवंबर को कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी छत्तीसगढ़ आएंगी। रायपुर में प्रियंका गांधी का रोड शो भी प्रस्तावित है। 15 नवंबर को

एआईसीसी पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी छत्तीसगढ़ आएंगे। इसके बाद एआईसीसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का दौरा भी संभावित है।

विधानसभा चुनाव को अब एक हफ्ते से भी कम का समय बचा है। इससे पहले प्रदेश में अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए तमाम सारी पार्टियों के दिग्गज नेता लगातार जनता के बीच पहुंचकर अपने पक्ष में वोट की अपील कर रहें है। जहां एक तरफ बीजेपी कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है तो कांग्रेस भी पीछे नहीं है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी दूसरे चरण से पहले छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहीं है।

विधानसभा चुनावः17 नवम्बर को होगा दूसरे चरण का मतदान

» **बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के 9 मतदान केंद्रों में सवेरे 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगा मतदान**

» **दूसरे चरण के 70 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 958 उम्मीदवार मैदान में, 1 करोड़ 63 लाख से अधिक मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का इस्तेमाल**

रायपुर,11 नवम्बर 2023 (ए)।छत्तीसगढ़ में विधानसभा आम निर्वाचन के लिए दूसरे चरण में 17 नवम्बर को 70 विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे। इसके लिए सवेरे आठ बजे से शाम पांच बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। केवल बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के नौ मतदान केंद्रों कामरभौदी, आमामोरा,ओढ, बड़े गोबरा, गंवर गांव, गरीबा, नागेश, सहबीन कछार और कोदोमाली में सवेरे सात बजे से दोपहर तीन बजे तक मतदान होगा। इनके अलावा बिन्द्रानवागढ़ के शेष मतदान केंद्रों में अन्य 69 विधानसभा क्षेत्रों की तरह सवेरे आठ बजे से शाम पांच बजे तक वोट डाले जाएंगे। राज्य में विधानसभा आम निर्वाचन के लिए दूसरे

चरण में मतदान वाले 70 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 958 उम्मीदवार मैदान में हैं। दूसरे चरण में राज्य के कुल एक करोड़ 63 लाख 14 हजार 479 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 81 लाख 41 हजार 624 पुरुष मतदाता, 81 लाख 72 हजार 171 महिला मतदाता तथा 684 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं।

विधानसभा आम निर्वाचन के लिए दूसरे चरण में भरतपुर-सोनहट, मनेन्द्रगढ़, बैकुंठपुर, प्रेमनगर, भटगांव, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी, लुण्ड्रा, अम्बिकापुर, सीतापुर, जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, लैलूंगा, रायगढ़, सारंगढ़, खरसिया, धर्मजयगढ़, रामपुर, कोरबा, कटघोरा, पाली-तानाखार, मरवाही, कोटा, लोरमी, मुंगेली, तखतपुर, बिल्हा, बिलासपुर, बेलतरा, मस्तूरी, अकलतरा, जांजगीर-चांपा, सक्ती, चंद्रपुर, जैजैपुर, पामगढ़, सराईपाली, बसना, खल्लारी, महासमुंद, बिलाईगढ़, कसडोल, बलौदाबाजार, भाटापारा, धरसींवा, रायपुर ग्रामीण, रायपुर नगर पश्चिम, रायपुर नगर उत्तर, रायपुर नगर दक्षिण, आरंग, अभनपुर, राजिम, बिन्द्रानवागढ़, सिहावा, कुरूद, धमतरी, संजारी-बालोद, डौंडीलोहारा, गुण्डरदेही, पाटन, दुर्ग ग्रामीण, दुर्ग शहर, भिलाई नगर, वैशाली नगर, अहिवारा, साजा, बेमेतरा और नवागढ़ विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे।

बीजेपी की महतारी वंदन योजना को लेकर गरमाई राजनीति

बलौदाबाजार,11 नवम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में 17 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान होना है, जिसके लिए पार्टियां प्रचार-प्रसार में जुटी हुई है। इसी बीच बीजेपी की महतारी वंदन योजना को लेकर प्रदेश की सियासत गरमा गई है।

निर्वाचन आयोग ने बीजेपी के कई नेताओं को इसके प्रचार और विज्ञापन के कारण बताने के लिए नोटिस जारी किया है। आज बलौदाबाजार जिले में पुलिस ने महतारी वंदन योजना के प्रचार के चलते बीजेपी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया जिसके बाद बवाल मच गया. बीजेपी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में बलौदा बाजार से बीजेपी प्रत्याशी तकंक राम तहसील कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए।

पुलिस कार्यवाही से भाजपाइयों में आक्रोश है, बीजेपी के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि प्रशासन कांग्रेस के हक में काम कर रही है. बलौदाबाजार तहसील कार्यालय के सामने सैकड़ों की संख्या में बीजेपी समर्थक नारेबाजी करते हुए गिरफ्तार कार्यकर्ताओं को रिहा कराने की मांग कर रहे है।

तहसील कार्यालय के बहार बैठे

भाजपा प्रत्याशी टंक राम वर्मा ने महतारी वंदन योजना के बारे में कहा कि हम अपनी माताओं और बहनों को उनका हक दिलाना चाहते है, लेकिन कांग्रेस नहीं चाहती की हम ऐसा करे. पिछली बार उन्होंने ने हमारी माता-बहनों को ठगा था और शासन में आए थे. उन्हें पता है कि उनके कुकर्मों की सजा उन्हें मिलेगी 3 दिसंबर को नतीजे आएंगे जिसमे भूपेश बघेल सत्ता से बाहर जाएंगे। इसलिए कांग्रेस हमारे कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई कर रही है. लेकिन हम इससे डरने वाले नहीं है हम महातारी योजना का फॉर्म भवाएंगे.टंक राम वर्मा ने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं ने कोई अपराध नहीं किया है, ये सरकार की दादागिरी है. कांग्रेस को पता है कि वे इस बार हारने वाले है इसलिए वे घबरा गए है. कांग्रेस हमारे कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने का काम कर रही है।

महादेव एप्प से जुड़े 18 लोगों पर लगा गैंगस्टर एक्ट

रायपुर/नोएडा,11 नवम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित महादेव एप के मामले में उत्तर प्रदेश की नोएडा पुलिस ने महादेव ऐप्प से जुड़े 18 आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट लगाया गया है. साल 2022 में नोएडा की एक पॉश सोसायटी से महादेव ऐप से जुड़े लोग पकड़े गए थे।नोएडा पुलिस ने इस ऐप्प को बैन करने के लिए भी लिखा था. इस मामले में नोएडा के थाना 39 में केस दर्ज हुआ था। गिरफ्तार आरोपी उत्तर प्रदेश के अलग-अलग राज्यों के अलावा छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। पुलिस इस मामले में चार्जशीट भी दाखिल कर चुकी है।

रतन दुबे की हत्या की जिम्मेदारी नक्सलियों ने ली

नारायणपुर,11 नवम्बर 2023 (ए)। बीते दिनों भाजपा नेता रतन दुबे की हत्या के मामले में शुक्रवार रात नक्सलियों ने पर्चा जारी कर हत्या की जिम्मेदारी ली है। नक्सलियों ने पर्चे में रतन दुबे द्वारा जनविरोधी नीतियों को अमल करने के कारण मौत की सजा देने का उल्लेख किया है।

अब तो वहां मतदान होने के साथ चुनाव प्रचार थम गया है। जिस इलाके में रतन दुबे की हत्या की गई थी। उन इलाकों में नक्सली दहशत के चलते चुनाव प्रचार पूर्ण रूप से बंद कर दिया गया था, साथ ही उन इलाकों में सन्नाटा पसरने के साथ आसपास क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

4 नवंबर को भाजपा नेता रतन दुबे झारा थाना इलाके के ग्राम कौशलनार में चुनाव प्रचार करने गये हुए थे। रतन दुबे कौशलनार के बाजार में एक माइक और स्पीकर के सहारे भाजपा की योजनाओं और घोषणाओं को

गोंडी में ग्रमीणों को बता रहे थे और भाजपा के पक्ष में वोट मांग रहे थे। कुछ देर बाद ही पीछे से माओवादियों ने उन हमला कर दिया। नक्सलियों ने धारदार हथियार से भाजपा नेता पर बेरहमी से लगातार वार किया. सूचना मिलने पर तत्काल उन्हें जिला अस्पताल नारायणपुर लाया गया. जहां डॉक्टरों ने रतन दुबे को मृत घोषित कर दिया। 5 नवंबर को रतन दुबे के पार्थिव शरीर का बखरुपारा स्थिति मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। जहां भाजपा प्रत्याशी केदार कश्यप कांग्रेस प्रत्याशी चन्दन कश्यप समेत बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे। घटना के बाद राजनीतिक गलियारे सुने पड़ गए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)